संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -319 शुक्रवार ,20 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

हरियाणा में भाजपा ने जारी किया 20 वादों का संकल्प पत्र

रोहतक,19 सितम्बर 2024 (ए)। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज अपना संकल्प पत्र (घोषणापत्र) जारी कर दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रोहतक में भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया है। इस अवसर पर उनके साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कई दिग्गज मौजूद रहे।

नड्डा ने कहा कांग्रेस ने घोषणा पत्र को लोगों की नजरों में एक डिल्यूट डॉक्यूमेंट बना दिया। कांग्रेस ने और कांग्रेस की संस्कृति ने घोषणा पत्र की प्रासंगिकता को समाप्त कर दिया। उनके लिए ये डॉक्यूमेंट...महज एक औपचारिकता है व लोगों के साथ छलावा करना है।

नड्डा ने कहा आप याद कीजिए, 10 साल पहले हरियाणा की छवि क्या थी? पर्ची और खर्ची पर नौकरी लगने वाली थी और नौकरियों के चलते लोगों को सजाएं भी हुईं। उसी तरीके से हरियाणा जमीन घोटालों के लिए जाना जाता था। उनका (कांग्रेस) वास्तविक घोषणा पत्र तो ये था... जमीन का घोटाला करना, औने-पौने दामों पर जमीनों को खरीदना और उससे मुनाफा कमाना, किसानों की जमीनों को हड़पना। 10 साल पहले, हरियाणा की हर सरकार भ्रष्टाचारी कहलाती थी।

भाजपा के संकल्प पत्र के प्रमुख 20 वादे

>>. सभी महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत प्रतिमाह ₹2,100
>> आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण। प्रति शहर 50,000 स्थानीय युठाओं को नौकरी देने के लिए उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन
>>. चिरायु -आयुष्मान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख तक का मुफ्त इलाज एवं परिवार के 70 वर्ष से अधिक प्रत्येक बुजुर्ग को अलग से 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा
>> 24 फसलों की घोषित एमएसपी पर खरीद
>> 2 लाख युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची पक्की सरकारी नौकरी
>> 5 लाख युवाओं के लिए अन्य रोजगार के अवसर एवं मासिक स्टाइपेंड
>> शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख आवास
>> सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस तथा सभी अस्पतालों में डायग्नोसिस मुफ्त
>> हर जिले में ओलंपिक खेलों की नर्सरी
>> हर घर गृहणी योजना तहत 500 में सिलेंडर
>> अव्वल बालिका योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज जाने वाली सैंक छात्रा को स्कूटर
>> हर हरियाणवी अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी
>> भारत सरकार के सहयोग से केएमपी के ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का निर्माण एवं नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत
>> भारत सरकार के सहयोग से विभिन्न रैपिड रेल सेवाओं एवं फरीदाबाद से गुरुग्राम के बीच इंटरसिटी मेट्रो सेवा की शुरुआत
>>. छोटी पिछड़े समाज की जातियों के लिए पर्याप्त बजट के साथ अलग अलग कल्याण बोर्ड
>>. डीए और पेंशनों को जोड़ने वाले साइंटिफिक फार्मूले के आधार पर सभी सामाजिक मासिक पेंशनों में वृद्धि
>>. भारत के किसी भी सरकारी कॉलेज से मेडिकल और इंजीनियरिंग पढ़ने वाले ओबीसी एवं एससी जातियों के हरियाणा के विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवर्ती
>>. सभी ओबीसी वर्ग के उद्यमियों की, मुद्रा योजना के अतिरिक, 25 लाख रूपये तक के ऋण की गारंटी हरियाणा राज्य सरकार उठाएगी
>> हरियाणा को वैश्विक शिक्षा का केंद्र बनाकर आधुनिक स्किल का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे
>> दक्षिण हरियाणा में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का अरावली जंगल सफारी पार्क

खड़गे के खत का जेपी नड्डा ने दिया जवाब

» बोले- राहुल खुद पीएम का कई बार कर चुके हैं अपमान

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2024 (ए)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर सोनिया गांधी,राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं द्वारा पीएम मोदी को कहे गए अपशब्दों की याद दिलाते हुए तंज कसा।

जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 110 से अधिक गालियां दी हैं। इसमें कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल है।

खड़गे की ओर से हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने उन्हें लिखे पत्र में आरोप लगाया कि आपने राजनीतिक मजबूरीवश जनता द्वारा बार-बार नकारे गए अपने फेल्ड प्रोडक्ट को एक बार फिर से पॉलिश कर बाजार में उतारने के प्रयास में जो पत्र पीएम मोदी को लिखा है, उस पत्र को पढ़कर मुझे लगा कि आपके द्वारा कही गई बातें यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि पत्र में आप राहुल गांधी सहित अपने नेताओं की करतूतों को या तो भूल गए हैं या उसे जानबूझकर नजरअंदाज किया है, इसलिए मुझे लगा कि उन बातों को विस्तार से आपके संज्ञान में लाना जरूरी है। चूंकि आपने अपने पत्र में सेलेक्टिव तरीके से बात केवल राहुल गांधी को लेकर की,इसलिए मैं उसी से अपनी बात की शुरुआत करना चाहूंगा। जिस व्यक्ति का इतिहास ही देश के प्रधानमंत्री सहित पूरे ओबीसी समुदाय को चोर कहकर गाली देने का रहा हो, देश के प्रधानमंत्री के लिए अत्यंत अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करने का रहा हो, जिसने संसद में देश के प्रधानमंत्री को डंडे से पीटने की बात कही हो, जिसकी धृष्ट मानसिकता से पूरा देश वाकिफ हो, उस राहुल गांधी को सही ठहराने की कोशिश आप किस मजबूरी के चलते कर रहे हैं? ये राहुल गांधी की माताजी सोनिया गांधी ही थीं ना खड़गे जी, जिन्होंने पीएम मोदी के लिए मौत का सौदागर जैसे अत्यंत असभ्य अपशब्दों का प्रयोग किया था? इन सभी दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बयानों का तो आप और आपकी पार्टी के नेता महिमामंडन करते रहे! क्यों तब राजनीतिक शुचिता की बातें कांग्रेस भूल गई थी? जब राहुल गांधी ने सरेआम मोदी की छवि को खराब कर देंगे वाली बात कही थी तो राजनीतिक मर्यादा को किसने खंड-खंड किया था खड़गे जी? मैं ये समझता हूं मल्लिकार्जुन खड़गे कि अपने नित्य निरंतर फेल्ड प्रोडक्ट का बचाव करना और उसे महिमामंडित करना आपकी मजबूरी है, लेकिन कम से कम कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते आपको इन चीजों पर आत्ममंथन भी तो करना चाहिए था।

देश की संक्षिप्त खबरें

प्रदूषण के खिलाफ एक्शन प्लान में बदलाव

अब एक्यूआई200 के पार होते ही लागू हो जाएगा ग्रेप का पहला फेज

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2024 (ए)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक बार फिर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) में बदलाव किया है। इस बार के दूसरे और तीसरे चरण में बदलाव किया गया है। 2017 से लेकर अब तक ग्रेप में चौथी बार बदलाव किया गया है।

इस बार भी ग्रेप का पहला चरण एक्यूआई के 201 पहुंचने पर लागू हो जाएगा। इसके बाद इसका दूसरा, तीसरा और चौथा चरण जरूरत के हिसाब से लागू होगा। आइआइटीएम पुणे और मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर ही समय समय पर ग्रेप के अलग अलग चरण लागू किए जाएंगे।

ग्रेप के विभिन्न चरण इस बार भी पूर्वानुमान के आधार पर ही लागू होगे, लेकिन इस बार पूर्वानुमान तीन दिन या इससे अधिक का लिया जाएगा। मसलन, यदि तीन दिन बहुत खराब स्तर के प्रदूषण का पूर्वानुमान हुआ तो ग्रेप का दूसरा चरण आ आएगा।

आईजी पद पर तैनात आईपीएस अफसर ने दिया इस्तीफा

पूर्णिया,19 सितम्बर 2024 (ए)। बिहार के चर्चित आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर शिवदीप लांडे ने अपने इस्तीफे की जानकारी दी है। शिवदीप लांडे ने अचानक इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया है। शिवदीप लांडे ने फेसबुक पर लिखा, 'मेरे प्रिय बिहार, पिछले 18 वर्षों से सरकारी पद पर अपनी सेवा प्रदान करने के बाद आज मैंने इस पद से इस्तीफा दे दिया है। इन सभी वर्षों में मैंने बिहार को खुद से और अपने परिवार से भी ऊपर माना है। अगर मेरे बतौर सरकारी सेवक के कार्यकाल में कोई त्रुटि हुई हो तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हूं। मैंने आज भारतीय पुलिस सर्विस से त्यागपत्र दिया है।

21 सितंबर को आतिशी लेंगी दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ

» मंत्रिमंडल में नए चेहरे ले सकते हैं शपथ

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2024 (ए)। दिल्ली में शनिवार 21 सितंबर को को आम आदमी पार्टी (आप) की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राष्ट्रपति को अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा भेजने के साथ 21 सितंबर को नई सरकार के गठन का प्रस्ताव भेजा था जिसे मंजूरी मिल गई है।

आतिशी के साथ मंत्रिमंडल के साथी भी शपथ लेंगे। जानकारी के अनुसार आतिशी के साथ दिल्ली सरकार में छह मंत्री भी शपथ लेंगे। दिल्ली की पूर्व सरकार में आतिशी को छोड़कर गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और सौरभ भारद्वाज मंत्री थे। इन चारों नेताओं को एक बार फिर मंत्री पद मिलेगा और इनके मंत्रालयों में भी बड़ा फेरबदल नहीं होगा,लेकिन दो नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल करने को लेकर विमर्श चल रहा है।

संजीव झा और दुर्गेश पाठक के नाम पर विचार

सूत्रों का कहना है कि अगले तीन से चार महीने में दिल्ली विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी कैबिनेट में एक दलित चेहरा, जबकि दूसरा पूर्वांचली शामिल कर सकती है। दिल्ली में इनके मतदाता बड़ी संख्या में हैं।

सूत्रों की मानें तो पूर्वांचली चेहरे के रूप में बुराड़ी से विधायक संजीव झा और राजेंद्र नगर से विधायक दुर्गेश पाठक के नाम पर विचार किया जा रहा है। संजीव झा बुराड़ी से तीन बार विधायक बन चुके हैं और पार्टी के प्रवक्ता के रूप में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, दुर्गेश पाठक लगातार पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते रहे हैं। नगर निगम में आप की सत्ता लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कुलदीप कुमार और विशेष रवि को लेकर भी चर्चा

मंत्रिमंडल में दलित चेहरे के रूप में कुलदीप कुमार का नाम सबसे आगे है। कुलदीप कोंडली से विधायक हैं और लोकसभा चुनाव में पूर्वी दिल्ली से आप के उम्मीदवार थे। दलित चेहरे के रूप में दूसरा नाम करोल बाग से विधायक विशेष रवि का है। यह माना जा रहा है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता गुरुवार को होने वाली बैठक में मंत्रिमंडल के सभी नामों को तय कर सकते हैं।

शहीद का दर्जा की मांग को लेकर चक्का जाम

» छत्तीसगढ़ सीआरपीएफ कैंप में गोलीबारी से मध्यप्रदेश के रुपेश पटेल की मौत

» शव लेने से किया इंकार

मैहर,19 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सीआरपीएफ कैंप में गोलीबारी से मृत रुपेश पटेल को शहीद का दर्जा देने की मांग को लेकर ग्रामीणों के साथ परिजनों ने हाइवे पर चक्का जाम कर दिया है। परिजनों ने शहीद का दर्जा नहीं मिलने तक शव लेने से भी इंकार कर दिया है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी समझाइश में लगे हुए हैं। समाचार के लिखे जाने तक लोग सड़क पर ही बैठे हुए हैं। मामला शांत नहीं हुआ है।

बिहार के नवादा में दबंगों का आतंक 80 घर किया आग के हवाले

» फायरिंग कर 80 घरों को किया आग के हवाले

» गांव में 5 थानों की पुलिस तैनात

नवादा,19 सितम्बर 2024 (ए)। बिहार के नवादा में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी। करीब 80 घर इस आग में जलकर खाक हो गए। पुलिस का कहना है कि 20 घर ही आग में जले हैं और इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। इस मामले में पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना पर नीतीश सरकार को घेरा है। यह घटना नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ननौरा के पास स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती की है। यहां दो पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बुधवार रात दबंगों ने दलित परिवारों के साथ मारपीट की थी और फिर हवाई फायरिंग के बाद उनके घरों को आग लगा दी।

बताया जा रहा है कि गांव में जमीन के एक हिस्से पर फिलहाल दलित परिवारों का कब्जा है। इस जमीन पर कब्जे को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद चल रहा है। पीड़ितों का आरोप है कि बुधवार रात को अचानक दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट के साथ उनके घरों में आग लगा दी गई। एसपी अभिनव धीमान ने बताया, कि सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा घरों को जलाया गया है। शुरुआत में दावा किया गया था कि 40-50 घर जलाए गए, लेकिन हमने जितना अभी तक सिविल साइड और पुलिस ने रात के अंधेरे में जितना सर्वे किया है, करीब 21 घरों के परिवारों को हमने चिन्हित किया है।इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने यहां हवाई फायरिंग की घटना से इनकार किया है।एसपी ने बताया कि इस घटना के जो मुख्य आरोपी बताए जा रहे थे, उनको हमने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी के साथ-साथ 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। बताया जा रहा है कि लगभग 5 थानों की पुलिस को यहां बुलाया गया है।

घटना पर तेजस्वी यादव का बयान

नवादा की घटना पर तेजस्वी यादव का बयान आया है। तेजस्वी ने इस घटना की तुलना महा जंगलराज, महा दानवराज, महा राक्षसराज से की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, महा जंगलराज महा दानवराज महा राक्षसराज। नवादा में दलितों के 100 से अधिक घरों में लगाई आग।

संपादकीय

यूपीआई भुगतान का चलन

क्या सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि यूपीआई एग्रीगेटर अपना बोझ यूजर्स पर ट्रांसफर ना करें? अगर वह ऐसा नहीं कर सकती, तो उसका मतलब छोटे ऑनलाइन भुगतान को हतोत्साहित करना समझा जाएगा।यूपीआई के जरिए दो हजार रुपये से कम के भुगतान पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का प्रस्ताव फिलहाल टल गया है। सोमवार को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस पर सहमति नहीं बनी, इसलिए इसे विचार के लिए फिटमेंट कमेटी को भेज दिया गया है। अब कमेटी बताएगी कि यूपीआई पेमेंट पर टैक्स लगाने के क्या प्रभाव होंगे।प्रस्ताव यह है कि ऐसे हर भुगतान पर पेमेंट एग्रीगेटर को (यानी जिस ऐप के जरिए भुगतान किया गया हो), 18 प्रतिशत जीएसटी देना होगा। ये आशंका ठोस है कि ये एग्रीगेटर खुद पर पडने वाले टैक्स के बोझ के कारण सेवा को महंगा बना देंगे। अंततः यूपीआई के जरिए 2000 रुपये से कम का भुगतान अभी की तरह बिना लागत के नहीं रह जाएगा।मुद्दा है कि क्या सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि एग्रीगेटर अपना बोझ यूजर्स पर ट्रांसफर ना करें? वह ऐसा नहीं कर सकती, तो उसका मतलब छोटे ऑनलाइन भुगतान को हतोत्साहित करना समझा जाएगा। यह निर्विवाद है कि यूपीआई भुगतान का चलन बढने से आम जन की जिंदगी आसान हुई है।इससे हाट-बाजार में लोगों को खुल्ले पैसा संबंधी दिक्कतों से राहत मिली है। आज एक रुपया से लेकर बड़े-बड़े भुगतान के लिए लोग यूपीआई का सहारा ले रहे हैं। आंकड़ा यह है कि कुल पेमेंट में लगभग 80 फीसदी भुगतान 2000 रुपये से कम के होते हैं।आशंका है कि सरकार की नई मंशा से लोगों के लिए ऐसे भुगतान करना महंगा हो जाएगा। इस तरह बाजार में नकदी का चलन बढ़ेगा, जिसे घटाना सरकार का घोषित उद्देश्य रहा है। इसलिए बेहिचक कहा जा सकता है कि छोटे यूपीआई भुगतानों पर जीएसटी लगाना गलत सोच पर आधारित प्रस्ताव है। फिटमेंट कमेटी को इसे सिरे से ठुकरा देना चाहिए।यह अच्छी बात है कि जीएसटी काउंसिल ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी घटा दिया गया है। साथ ही जीवन बीमा और मेडिकल बीमा पॉलिसियों पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी पर पुनर्विचार की जिम्मेदारी एक समिति को सौंपी गई है। ये टैक्स भी गलत सोच पर आधारित हैं। बुनियादी रूप से इन चीजों पर टैक्स होना ही नहीं चाहिए।

बस्तर का प्रथम कृषि महाविद्यालयःशहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र,जगदलपुर

उत्कर्ष कुमार सोनबोइर, कृषि महाविद्यालय जगदलपुर (छ.ग.)

ये तो विश्व विख्यात है की छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और उन्हीं धान-धान्य के अनेक किस्मों को विकसित करने वाला, संरक्षित और संवर्धन करने वाला इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत शहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अपना 24 वां वर्षगांठ मना रहा है।

सन 1981 में जब बस्तर जिला रायपुर संभाग से अलग होकर 16 फ़रवरी को नया संभाग बनाने की घोषणा हुई तब बस्तर संभाग में करीब 8 तहसील और 32 विकासखंड शामिल हुए पर इतने बड़े संभाग में कृषि अनुसंधान की एक भी संस्थान नहीं थी, तब भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद और जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत कुम्हारवंड फार्म, जगदलपुर को क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र का दर्जा मिला, जिसकी विधिवत स्थापना तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अर्जुन सिंह जी द्वारा 21 मार्च 1981 में हुआ था। शैक्षिणक संस्था कृषि महाविद्यालय की स्थापना 20 सितम्बर 2001 को हुई थी, जिसमें सीजी पीएटी के माध्यम से बीएससी कृषि पाठ्यक्रम में दाख़िला मिलता है। महाविद्यालय में सत्र 2016 से पीजी के पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई थी। समय समय पर खेलकूद,सांस्कृतिक कार्यक्रम,के साथ-साथ अन्तरमहाविद्यालय युवा उत्सव-मड़ई, एनएसएस/ एनसीसी के कार्यक्रम भी संचालित होते रहते है। महाविद्यालय के अंतर्गत करीब 8 अनुसंधान परियोजना संचालित हो रहें, जो की भारतीय कृषि अनुसन्धान केंद्र नई दिल्ली के आधीन है, जिसमें धान,कंद, लघुधान्य, ताड़,काजू, और बरानी फसल शामिल है। जिले में कृषि विज्ञान केंद्र बस्तर भी संचालित हो रही जिसका स्थापना 01 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ के प्रथम राज्यपाल श्री दिनेश नंदन सहाय और प्रथम मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी के कर कमलों द्वारा हुआ था। अखिल भारतीय समन्वित धान सुधार अनुसंधान परियोजना का मुख्यकार्यभार महाविद्यालय की अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन वैज्ञानिक बस्तर की बेटी के नाम से विख्यात डॉ. सोनाली कर है, महाविद्यालय से बस्तर धान 1, और इंद्रावती धान की नई किस्म अभी हाल में ही विकसित की गई है। केरा बस्तर, बस्तर का प्रथम विकसित नारियल का किस्म है, डॉ. बीना सिंह, वैज्ञानिक उद्यानिकी और डॉ. पी के सलाम शस्य वैज्ञानिक ताड़ परियोजना के मुख्य कार्यवाहक है। छत्तीसगढ़ का प्रथम काजू की किस्म इंदिरा काजू 1 भी इस महाविद्यालय की देन है जिन्हें श्री विकास रामटेके इस परियोजना को अपने उचित दिशा निर्देश में रखें है। हमारे महाविद्यालय को करीब दो बार कंदीय फसल में अखिल भारतीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसन्धान केंद्र के रूप में नवाजा गया था। वर्ष 2016 और 2022 में एआईसीपीआर क ंद फसल को सर्वश्रेष्ठ केंद्र का दर्जा मिला था। यह परियोजना की शुरुआत 1987- 88 में हुई जिसका मुख्य उपलब्धि यह है की शकरकंद में 5 नवीन किस्म विकसित हुए जिसमें इंदिरा नवीन, इंदिरा मधुर, इंदिरा नंदिनी, सीजी शकरकंद प्रिया, सीजी शकरकंद नारंगी कसावा में सीजी कसावा 1, अरबी में 3 किस्म विकसित किए गए- इंदिरा अरबी -1, सी जी अरबी -2, साखेन बंडा -1,डांग कांदा में सीजी डांग कांदा -1,और बस्तर की पारंपरिक कंदीय फसल में तिखुर के एक किस्म सीजी तिखुर 1 और अन्य कंदीय फसलों में सीजी रतालू-1, सीजी रतालू -2 शामिल है और अभी वर्तमान में डॉ. पद्माक्षी ठाकुर इस परियोजना की मुख्यकार्यवाहक है। अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय रबर अनुसंधान संस्थान, कोटोट्याम, केरल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ पहली बार रबर की खेती किये जाने के अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय परिसर में रबर के पौधों का रोपण दिनांक 22 जून 2023 को किया गया। इस परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. ए. के. ठाकुर को नियुक्त किया गया। लघु धान्य परियोजना के अंतर्गत इंदिरा रागी, सीजी कुटकी , सोन कुटकी जैसे अनेक किस्म विकसित किए गए, वर्ष 2017 और 2021 में एआईसीपीआर लघु धान्य फसल को सर्वश्रेष्ठ केंद्र का दर्जा मिला था। अभी हाल में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शहीद गुण्डाधूर जी की मूर्ति का लोकार्पण महाविद्यालय परिसर में किया जो कि बस्तर विकास प्राधिकरण के वित्तीय सहयोग से निर्मित किया गया है। महाविद्यालय परिसर के दिव्य सभागार जिला प्रशासन की पहली पसंद होती है, चिराग परियोजना, बस्तर में एक पेड़ माँ के नाम, रीपा जैसे कई योजनायें की शुरुआत इसी सभागार परिसर से होती रही है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मीडिया का हो रहा है दुरुपयोग

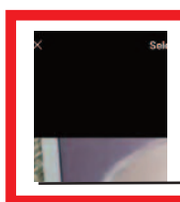

प्रोफेसर शाम लाल कौशल रोहतक हरियाणा

आजकल सोशल मीडिया का जमाना है! शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जोकि मोबाइल,ऐसएमऐस,फेसबुक,ट्विटर, व्हाट्सऐप,चैटिंग आदि का प्रयोग नहीं करता होगा! अपने या प्रतिद्वंदी के बारे में विचार प्रकट करने का सोशल मीडिया एक लाजवाब माध्यम है! सोशल मीडिया पर फेसबुक या व्हाट्सऐप पर या ट्विटर पर लोग अपने विचार व्यक्त करते हैं! सोशल मीडिया का जहां सदुपयोग होता है, हम एक दूसरे के बारे में अच्छी बात नहीं जानते हैं, अच्छी-अच्छी पोस्ट,तस्वीरें या वीडियो भेजते हैं या मंगवाते हैं, दुनिया के किसी भी हिस्से में बैठे हुए दूसरे व्यक्ति के साथ वीडियो कॉलिंग या वीडियो कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं! सोशल मीडिया समाज में रहने वाले लोगों को अपने विचारों के आदान प्रदान करने का एक मनपसंद तकनीक है जिसके बारे में आज से 50 साल पहले कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी! लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजकल सोशल मीडिया का भरपूर दुरुपयोग होने लगा है! लोकतंत्र में लोगों को अपने विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो होती है परंतु जिस तरह से लोग अनियंत्रित ढंग से एक दूसरे के बारे में मर्यादा से हटकर तथा गैर जिम्मेदार तरीके से अपने विचारों की अभिव्यक्ति करने लगे हैं उससे सोशल मीडिया के दुरुपयोग का साफ पता चलता है! सोशल मीडिया पर संप्रदायिक जहर फैलाना, राष्ट्र विरोधी बातों का प्रचार करना, अनैतिक बातें लिखना,अपशब्दों का प्रयोग करना,चरित्र हनन करना, किसी व्यक्ति या समुदाय के बारे में गंदी भाषा का प्रयोग करना आदि का मतलब यह नहीं कि सोशल मीडिया पर आप को जो भी आपके मन में आए कहने का अधिकार है! सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय मर्यादा, संयम, संस्कार,एक दूसरे के प्रति सम्मान, देशहित आदि की बातों को जरूर ध्यान रखना चाहिए! लेकिन पूछा जा सकता है क्या सोशल मीडिया पर विचार व्यक्त करते हुए इन सब बातों का ध्यान रखा जाता है! संविधान के मुताबिक हमें अपने विचारों को व्यक्त करने की आजादी तो है लेकिन अगर इस आजादी का प्रयोग ईर्ष्या, घृणा, देशद्रोह, देश की एकता तथा अखंडता के खिलाफ किया जाएगा तो सोशल मीडिया का वह सरासर दुरुपयोग होगा! प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया की तो जवाबदेही है! अगर इनमें से कोई मर्यादा तथा निर्धारित गाइडलाइंस की उल्लंघना करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है परंतु सोशल मीडिया के बारे में अभी ऐसा कुछ नियम नहीं बना। सोशल मीडिया दूसरों को नीचा दिखाने,अपमान करने, जहर फैलाने, देशद्रोह से संबंधित विचारों को फैलाने, गलत सूचना देने, भ्रमित करने वाले फोटो या वीडियो दिखाकर गलत प्रचार करने में लगा हुआ है। किसी के साथ हिसाब बराबर करने, बदनाम करने, ब्लैकमेल करने आदि की बातें सोशल मीडिया पर आम देखी जा सकती हैं। सकारात्मक विचारों का आदान-प्रदान बहुत कम ही देखने को मिलता है। सुबह सुबह जब हम उठते हैं तो हमें बहुत बार अपने मित्रों, रिश्तेदारों या शुभचिंतकों द्वारा भेजी गई अच्छी-अच्छी पोस्ट, कविताएं, भजन यह फोटो देखने को मिलते हैं और मन खुश हो जाता है। यह सब कुछ कुछ समय के लिए सुबह-सुबह ही होता है जैसे-जैसे दिन चढ़ता है सोशल मीडिया का नकारात्मक रूप देखने को मिलता है। राजनीतिक, धार्मिक,सामाजिक आरोप तथा प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो जाता है। हिंसा, हत्या, आगजनी, झगड़े, पुलिस द्वारा लोगों को पीटे जाने या फिर कोरोनावायरस महामारी से संबंधित बातें बढ़ा चढ़ा कर बताने या किसी राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल को बढ़ा चढ़ाकर बताने आदि की बातें मिर्च मसाला लगाकर लोग एक दूसरे के आगे परोसते हैं। बहुत बार कुछ शरारती लोग दूसरों का ट्विटर अकाउंट चोरी करके उनके नाम से ही गलत खबरें सोशल मीडिया पर देना शुरू कर देते हैं। आजकल धार्मिक उन्माद पैदा करने के लिए सोशल मीडिया का दुरुपयोग एक आम बात हो गई है। नागरिकता संशोधन कानून, राष्ट्रीय पापुलेशन रजिस्टर, जम्मू कश्मीर में धारा 370 समाप्त करना, कोरोनावायरस महामारी के बारे में लोगों में भय, डर तथा आतंक फैलाना आदि बातें आम हो गई हैं। कुछ समय पहले दिल्ली में मौलाना साद की अध्यक्षता में तबलीगी जमात के लोगों द्वारा जलसा करने तथा उनमें विदेशी लोगों के द्वारा भी शामिल होने के कारण कोरोनावायरस महामारी को फैलाने में इन लोगों का हाथ होने के बारे में जो बवंडर खड़ा हो गया वह सोशल मीडिया का दुरुपयोग था! सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोध्या मामले में राम मंदिर बनाने वालों के हक में फैसला करना सोशल मीडिया के द्वारा समाज के एक विशेष वर्ग के पक्ष तथा दूसरे समुदाय के विरुद्ध प्रचार करने के लिए किया गया भारतीय वायु सेना द्वारा पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक करने को लेकर , चीन द्वारा लद्दाख में हमला करने, हमारे 20 को शहीद करने तथा पैगोंग क्षेत्र के एक हिस्से पर चीनी सैनिकों द्वारा कब्जा करने की बात को लेकर भी सोशल मीडिया तरह तरह के भ्रम फैला रहा है। सोशल मीडिया के द्वारा प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के बारे में अमर्यादित भाषा का प्रयोग करना तथा भाजपा के लोगों द्वारा राहुल गांधी तथा कांग्रेस के बारे में ऐतराज़ योग्य भाषा का प्रयोग करना सोशल मीडिया में अक्सर देखा जाता है। सोशल मीडिया पर विपक्ष द्वारा सैनिकों के मनोबल को गिराने वाली बातें कहना भी सोशल मीडिया का सरासर दुरुपयोग है। हमें कोई ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जिससे देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के मनोबल पर चोट पहुंचाने वाला कोई असर हो। कई बार सोशल मीडिया पर गुमराह करने वाले चित्र दिखाए जाते हैं। कई बार सोशल मीडिया पर बच्चों को विशेष प्रकार की गेम्स खेलने के लिए लालायित किया जाता है और बच्चों के मन पर इसका इतना बुरा असर पड़ता है कि कई बार वे खुदकुशी करने को भी तैयार हो जाते हैं। बेशक सोशल मीडिया पर भजन, कथा, कीर्तन, सत्संग से संबंधित बातें भी दिखाई जाती हैं लेकिन सोशल मीडिया नफरत, बदले बाजी, बगावत, उत्तेजना, सांप्रदायिक दंगों, स्टंट बाजी के दृश्य दिखाकर लोगों का अहित ही करता है। आज जम्मू कश्मीर में जो हालात भारत विरोधी हैं उनके पीछे मीडिया के दुरुपयोग का प्रभाव ही है। आतंकवादी सोशल मीडिया के द्वारा ही अपने सहयोगियों से सहयोग तथा बातचीत करके ही आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। कश्मीर में जब आतंकवादी घुसपैठ करते हैं तो वे पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में होते हैं और उनसे मार्गदर्शन लेते हैं तथा स्थानीय लोगों के भी संपर्क में होते हैं और अपनी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए उनकी मदद लेते हैं।

चाहे लोकतंत्र हो या प्रशासन की कोई और व्यवस्था, सभी लोगों के विचार एक जैसे नहीं होते। उनके विचारों में मतभेद तथा असहमति होना आम बात है। इसका मतलब यह नहीं कि एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या, राष्ट्रीय विरोधी बयान बाजी, सांप्रदायिक वैमनस्य या फिर अपने विरोधी के व्यक्तिगत जीवन पर कीचड़ फेंका जाए या फिर उनको झूठे मुकदमों में फंसा कर मीडिया द्वारा उनका बंटाधार किया जाए। इसे किसी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता। किसी राजनीतिक पार्टी में या विपक्ष में आपसी मतभेद हो सकते हैं लेकिन उसके बावजूद भी के प्रति सम्मान, मर्यादा तथा संयम बनाए रखने की बहुत जरूरत होती है। पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा श्री अटल बिहारी वाजपेई एक दूसरे के प्रतिद्वंदी होने के बावजूद भी एक दूसरे की बहुत इज्जत करते थे। जब 1971 में इंदिरा गांधी ने युद्ध में पाकिस्तान को करारी हार दी तथा बांग्लादेश का निर्माण किया तब श्री अटल बिहारी वाजपेई ने कहा था...इंदिरा इज इंडिया...! इसे कहते हैं राजनैतिक शालीनता! आज के सत्तासीन भाजपाई इस बारे में सोशल मीडिया पर कुछ कहेंगे? इसी तरह इंदिरा गांधी और श्री चंद्रशेखर की आपस में बनती नहीं थी! लेकिन जैसी ही चंद्रशेखर को पता चला कि संजय गांधी की हवाई हादसे में मृत्यु हो गई है, वह तुरंत इंदिरा गांधी के पास अफसोस करने के लिए पहुंचे! जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, उन्हें पता चला कि वाजपेई जी के गुर्दे ठीक नहीं है और इसका इलाज विदेशों में हीरो हो सकते हैं! अपने विदेशी दौरे के समय वह वाजपेई जी को अपने साथ ले गए और उनका इलाज करवाया! बाद में वाजपेई जी ने कहा था कि वह राजीव गांधी की वजह से ही जिंदा है। राजनीतिक मतभेद के बावजूद भी एक दूसरे के प्रति गरिमा, मर्यादा, सम्मान, संयम, सहिष्णुता आदि गुणों को त्यागना नहीं चाहिए। क्या यह बातें आज के सोशल मीडिया में देखने को मिल सकती हैं?लेकिन आज के शूरवीर मीडिया में जो कुछ देखने को मिलता है उपर्युक्त बातों के बिल्कुल विपरीत ही देखने को मिलता है। इसका भरपूर दुरुपयोग हो रहा है। प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक वीडियो की तरह सोशल मीडिया पर भी खबरें, पोस्ट, वीडियो या अन्य सामग्री छान छान कर लोगों के सामने पेश की जानी चाहिए। इसमें किसी प्रकार की अश्लीलता, ईर्ष्या, विद्रोह, दंगे फसाद फैलाने वाली बात, बदले बाजी, अनैतिकता, बच्चों के दिमाग पर बुरा असर डालने वाली कोई बात पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। सोशल मीडिया का उद्देश्य ज्ञान में वृद्धि करना, स्वस्थ मनोरंजन, शिक्षा प्रदान करना, साहित्य को बढ़ावा देना, पढ़ाई में मदद करना, आपसी सौहार्द पूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता को बढ़ावा देना, धार्मिक, समाजिक तथा संप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना होना चाहिए। संविधान के मुताबिक धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करना भी सोशल मीडिया का उद्देश होना चाहिए। सोशल मीडिया से संबंधित लोगों की जवाबदेही जरूर होनी चाहिए।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भीड़भाड़ को न्यौता देती टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारें

टैक्स देकर भी घंटों टोल पर इंतजार करते वाहन,समय और पैसों का होता नुकसान

-डॉ सत्यवान सौरभ बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

आज भारत की टोल प्रणाली के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियाँ भीड़भाड़ और विलम्ब हैं। फास्टैग सिस्टम शुरू होने के बावजूद, टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारें और देरी एक बड़ी समस्या बनी हुई हैं। तकनीकी गड़बड़ियाँ और कुछ क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान विधियों का कम इस्तेमाल इस समस्या को और बढ़ा देता है। उदाहरण के लिए, टोल प्लाजा में निरंतर लगने वाला ट्रैफिक जाम। उच्च परिचालन लागत में टोल प्लाजा के संचालन और रखरखाव की लागत, जिसमें कर्मचारियों का वेतन, बुनियादी ढाँचे का रखरखाव और प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल है, वित्तीय बोझ को बढ़ाती है, जिससे प्रणाली की समग्र दक्षता कम हो जाती है। भारत का टोल रोड नेटवर्क वर्ष 2023 में 45,428 किलोमीटर तक विस्तारित हो गया, जो वर्ष 2019 के 25,996 किलोमीटर से 75 प्रतिशत की वृद्धि है। इस विस्तार के बावजूद, चुनौतियाँ बनी हुई हैं, क्योंकि हालिया डेटा टोल संग्रह में विलम्ब को दर्शाता है, जो यातायात भीड़ में योगदान देता है। सड़क यात्रा दक्षता और राजस्व संग्रह को बढ़ाने के लिए इन चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है, जिसके लिए वर्तमान उपायों के विश्लेषण और अतिरिक्त समाधानों की आवश्यकता है। आज भारत की टोल प्रणाली के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियाँ भीड़भाड़ और विलम्ब हैं। फास्टैग सिस्टम शुरू होने के बावजूद, टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारें और देरी एक बड़ी समस्या बनी हुई हैं। तकनीकी गड़बड़ियाँ और कुछ क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान विधियों का कम इस्तेमाल इस समस्या को और बढ़ा देता है। उदाहरण के लिए, टोल प्लाजा में निरंतर लगने वाला ट्रैफिक जाम। उच्च परिचालन लागत में टोल प्लाजा के संचालन और रखरखाव की लागत, जिसमें कर्मचारियों का वेतन, बुनियादी ढाँचे का रखरखाव और प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल है, वित्तीय बोझ को बढ़ाती है, जिससे प्रणाली की समग्र दक्षता कम हो जाती है। टोल डेटा में विसंगतियों (जैसे डेटा में हेरफेर और रिपोर्ट किए गए और वास्तविक ट्रैफिक के बीच भारी अंतर) का खुलासा किया गया है, जैसे कि पुणे एक्सप्रेसवे पर। टोल दरों में असमानता, अलग-अलग क्षेत्रों और राजमार्गों के हिस्सों में टोल दरों में भिन्नता और वाहन के प्रकारों के आधार पर असंगत मूल्य निर्धारण, यात्रियों के बीच भ्रम और असंतोष उत्पन्न करते हैं। टोल मूल्य निर्धारण के लिए पारदर्शिता और स्पष्ट तर्क की कमी जनता के असंतोष को बढ़ाती है। बुनियादी ढाँचे के एकीकरण का अभाव होने से कई टोल सड़कें, राष्ट्रीय सड़क नेटवर्क या शहरी परिवहन प्रणालियों के साथ एकीकृत नहीं हैं, जिसके कारण अकुशलताएँ उत्पन्न होती हैं। भारत की टोल प्रणाली की चुनौतियों से निपटने के लिए शुरू की गई सरकारी पहलें फास्टैग कार्यान्वयन के माध्यम से राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली, कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देती हैं और स्वचालित टोल शुल्क कटौती के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके टोल प्लाजा पर भीड़ को कम करती हैं, और अब यह सभी वाहनों के लिए अनिवार्य है। एक राष्ट्र, एक फास्टैग पहल ने देश भर में टोल संग्रह को मानकीकृत किया, जिससे राजमार्ग संचालक या राज्य की परवाह किए बिना सभी टोल प्लाजाओं पर फास्टैग की अंतर-संचालन क्षमता सुनिश्चित हुई, जिससे यात्रियों को एक सहज अनुभव मिला और टोल शुल्क पर भ्रम कम हुआ। सरकार, टोल प्लाजा पर भीड़भाड़ जैसी समस्याओं को दूर करने और दूरी आधारित टोल संग्रह के लिए वाहन ट्रैकिंग सुनिश्चित करने हेतु जीपीएस आधारित टोल संग्रह प्रणाली का परीक्षण कर रही है, जिससे भौतिक टोल बूथों की आवश्यकता कम हो जाएगी। सरकार ने यातायात की निगरानी और टोल चोरी को रोकने के लिए टोल प्लाजा पर सीसीटीवी सिस्टम लगाए हैं। फास्टैग और नकद भुगतान दोनों को स्वीकार करने वाली हाइब्रिड लेन भी सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ फास्टैग का उपयोग कम है। निजी भागीदारों को शामिल करने के लिए टोल रोड विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पेश किए गए हैं, जिसका उद्देश्य बुनियादी ढाँचे की गुणवत्ता को बढ़ाना, सेवा वितरण में सुधार करना और टोल प्लाजाओं का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करना है। भारत की टोल प्रणाली को और बेहतर बनाने वाले उपाय करने की सख्त ज़रूरत है। जीपीएस आधारित टोल संग्रह, जो यात्रा की गई दूरी के आधार पर शुल्क लेता है, को अपनाने में तेजी लाने से भौतिक टोल प्लाजा को समाप्त किया जा सकता है, जिससे भीड़भाड़ और राजस्व लीकेज को कम किया जा सकता है, तथा एक अधिक कुशल, पारदर्शी प्रणाली सुनिश्चित की जा सकती है। बेहतर डेटा एकीकरण और विश्लेषण से टोल प्लाजा पर डेटा विश्लेषण और रियल टाइम निगरानी का लाभ उठाकर भीड़भाड़ का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है, टोल चोरी का पता लगाया जा सकता है और यातायात प्रवाह को अनुकूलित किया जा सकता है,जबकि व्यापक यातायात प्रबंधन प्रणालियों के साथ टोल डेटा को एकीकृत करने से सड़क अवसंरचना प्रबंधन में सुधार होता है। एक गतिशील मूल्य निर्धारण मॉडल जो यातायात की मात्रा और दिन के समय के आधार पर टोल दरों को समायोजित करता है, वह व्यस्ततम घंटों में भीड़भाड़ को प्रबंधित करने,अधिक कुशल सड़क उपयोग को प्रोत्साहित करने और अड़चनों को कम करने में मदद कर सकता है। सरकार स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली के साथ निगरानी बढ़ाकर और कठोर दंड लगाकर, अनुपालन में सुधार करके तथा राजस्व संग्रह को बढ़ाकर टोल चोरी पर अंकुश लगा सकती है। स्थानीय यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्गों का विकास और टोल-मुक्त सड़कों का विस्तार करने से टोल के प्रति जनता का विरोध कम हो सकता है, जबकि पर्यावरण-अनुकूल वाहनों के लिए कम दरों की पेशकश से सतत परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

हालाँकि सरकारी पहलों ने कार्यकुशलता के मामले में सुधार किया है, लेकिन भीड़भाड़ और चोरी जैसे मुद्दों के लिए अधिक सशक्त समाधान की आवश्यकता है। जीपीएस-आधारित टोलिंग और गतिशील मूल्य निर्धारण जैसी उन्नत तकनीकों को अपनाने के साथ-साथ इनके सख्त प्रवर्तन से टोल प्रणाली को बेहतर बनाया जा सकता है। इन उपायों को लागू करने से सभी उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी और निष्पक्ष टोलिंग अनुभव सुनिश्चित होगा।

पत्रकारों का कौन?

» आइए जाने एक पत्रकार की कहानी...

» जब पत्रकार अपना पक्ष तय करना बंद कर दे तभी पत्रकार वरना पक्षकार...!

» सच्ची पत्रकारिता में जीवनभर नुकसान अधिक उठाना पड़ता है और पत्रकारिता को माध्यम बनाने वाले हमेशा मौज में रहते है...

पत्रकार को वैसे तो संविधान मे चौथा स्तंभ माना गया है लेकिन उसे लिखित तौर पर कोई भी विशेषाधिकार नही है। पत्रकार को स्वतंत्रता भी एक आम नागरिक जैसी है। कलमकार सब कुछ छोड़कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है। अगर उसके क्षेत्र में देर रात शराब बिक रही है ,डग्गामार वाहन चल रहे हों,अवैध खनन हो रहा हो,क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ बिक रहा हो,रात भर बीच चौराहे पर अवैध ठेले खुमचे लगे हों,क्षेत्र में पर्स या चेन लूट हो,शराब पी कर रईस जादों के द्वारा बीच चौराहे पर हंगामा करने की खबर हो ,अगर उसे उजागर कर दिया तो उसी समाज के लोग जो की काली कमाई कर रहे होते है। हमेशा अपनी नजरो मे चढ़ाए रहते है कब मौका मिले प्रहार कर दे। पुलिस भी पत्रकारों पर पैनी नजर बनाए रखती है कहा मौका मिले दे धमके। दो चार फर्जी मुकदमा लिखकर जेल की सलाखो मे भेज दे। सरकार भी पत्रकारो से आशा व्यक्त करती है की उसके खिलाफ कोई टीका टिप्पणी न करे। न्यायालय भी पत्रकारो के लिए कुछ खास नही कर पाते। इन सब कठिनाइयों के बीच रहकर एक बेबाक लेखक अपनी लेखनी से समाज की कुरुतियो की सफाई करता रहता है। अब ऐसी स्थिति मे अवैतनिक पत्रकार का माई बाप बचा उसका अपना संगठन या बैनर जिसके लिए वह कार्य करता है। कुछ परिस्थितिया ऐसी होती है जहां बैनर भी अपना हाथ खीच लेता है और सारा दारोमदार स्वयं अपने आपके सिर मथ जाता है। परिवार,बीबी,बच्चे भी अपने आपको को कोसते है। जनाब बताइए इस हाल मे एक अवैतनिक पत्रकार के ऊपर क्या गुजरती होगी। क्या समाचार एजेंसियां इन सब चीजो के बारे सोचती है? क्या सरकार ऐसे पत्रकारों के बारे मे सोचती है? क्या न्यायालय ऐसे कलमकारो के जीवन को भी पढ़ते है।यह अपने स्वयं के विचार है आप भी अपने विचार रख सकते है।

आदित्य गुप्ता
अम्बिकापुर,सरगुजा

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

कोरियर सेंटर सहित दो दुकानों का शटर तोड़कर डेढ़ से दो लाख की चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतिक्षा बस स्टैंड के समीप कोरियर सेंटर सहित दो दुकानों का शटर तोडक़र चोरों ने वारदात को अंजाम दिया है। कुल चोरी लगभग डेढ़ से दो लाख रुपए की बताई जा रही है। हालांकि कोरियर सर्विस का संचालन दिल्ली से होने के कारण चोरी के सामानों का पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार प्रतिक्षा बस स्टैंड के पास रिंग रोड में टीडीसी कोरियर सिर्विस सेंटर है। कोरियर के संचालक व कर्मचारी बुधवार की रात करीब 8.30 बजे बंद कर अपने-अपने घर चले गए थे। कोरियर का काम सुबह 5 बजे से शुरू हो जाता है। गुरुवार की सुबह कुछ कर्मचारी पहुंचे तो कुरियर का शटर टूटा हुआ था और अंदर कुरियर का कई सामान नहीं थे। वहीं पास के शारदा फोम हाउस का भी शटर उखरा हुआ था। कोरियर के कर्मचारियों ने इसकी जानकारी शारदा फोम हाउस के संचालक नमनाकला निवासी वैभव पोरडे को दी। वह दुकान पहुंचकर देखा तो शटर रॉड से उखाड़ा हुआ था। अंदर काउंटर से 5-6 हजार रुपए नहीं थे। संचालकों ने मामले की जानकारी मणिपुर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। फोम हाउस के संचालक वैभव ने अपने दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा रखा था। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के बाद पकड़े जाने के डर से सीसीटीवी कैमरे का डीबीआर काट कर अपने साथ ले गए हैं। पुलिस आरोपियों तक पहुंचने के लिए दुकान के आस पास लेगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। टीडीसी कोरियर सर्विस का संचालन दिल्ली से संचालित होता था। इस लिए काफी संख्या में सामान डिलिवरी के लिए रखे हुए थे। चोरों ने अधिकांश सामानों को पार कर दिया है। क्या-क्या सामान चोरी गया है यहां के संचालक को पता नहीं चल पाया है। दिल्ली से लिस्ट आने के बाद ही सामान चोरी होने का पता चल पाएगा। संचालक के अनुसार डेढ़ से दो लाख रुपए का सामान चोरी होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

घरेलू विवाद पर शराब के नशे में पति ने डंडे व रॉड से पीट-पीटकर बच्चों के सामने कर दी पत्नी की हत्या

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम मुरताडांड़ में 17 सितंबर की रात को घरेलू विवाद पर बच्चों के सामने डंडे व रॉड से पीट पीटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार रामसाय कोरवा (35) ग्राम मुरताडांड़ थाना बतौली का रहने वाला है। वह अपने मामा-पिता से अलग पत्नी सावित्रि व तीन बच्चों के साथ रहता था। 17 सितंबर को रामसाय शराब सेवन कर घर आया और पत्नी से विवाद करने लगा। इस दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। रात करीब 10 बजे रामसाय ने डंडा व रॉड से बच्चों के सामने पत्नी की पिटाई करने लगा। इसे देख इनका बड़ा बेटा घर से भाग कर घटना की जानकारी अपने दादा को दी। रात होने के कारण कोई नहीं आया। इधर मारपीट से अचेत महिला पूरी रात घर में ही पड़ी रही। इससे उसकी मौत हो गई। 18 सितंबर की सुबह मृतक का ससुर उसके घर पहुंचा। मृतका घर में पड़ी हुई थी। वहीं उसका बेटा पास में बैठा था। पिता ने बेटा से पूछा तो वह बताया कि अक्सर वह मेरी बात नहीं मानती थी। इस लिए रात में दोनों के बीच विवाद हो गया था और गुस्से में डंडे व रॉड से पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी। वहीं घटना की जानकारी आरोपी के पिता नेत राम ने बतौली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और शव का पीएम कराकर परिजन को सौंप दिया। वहीं पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल दखिल कर दिया है।

बीएसएफ जवानों को दी गई मधुमक्खी पालन की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसांधान केन्द्र अंबिकापुर में दो दिवसीय वैज्ञानिक पद्धति से मधुमख्खी पालन का प्रशिक्षण कार्यक्रम पालोद नया रामपुर में 135 बटॉलियन के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को दिया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मधुमख्यि बोर्ड नई दिल्ली एवं राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. संतोष सिन्हा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 85 जवानों द्वारा प्रशिक्षण का लाभ लिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अन्वेषक मधुमख्खी डॉ. पीके भगत एवं वैभव जायसवाल (वी. प्रोफेसनल) कार लगातार दो दिनों तक जवानों को मधुमख्खी पालन की अलग-अलग विधाओं में कर के सीखाने एवं समस्त उपयोगी आवश्यक उपकरणों को दिखाया गया। जवानों ने काफी रुचि पूर्वक इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आनन्द लिया। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के डिप्टी कमान्डेन्ट राठौर ने उक्त प्रशिक्षण की काफी सराहना की।

स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन का राष्ट्रीय अधिवेशन में डीके सोनी हुए सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन ने अपना राष्ट्रीय अधिवेशन होटल द निकुंज दिल्ली में आयोजित किया। इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रदेशों के स्वर्णकार समाज के पदाधिकारी शामिल हुए।

अधिवेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में शुरू की गई। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वर्णकार समाज को एक सूत्र में बांधना है।

स्वर्णकार वेलफेयर के इस राष्ट्रीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष डीके सोनी एवं प्रदेश महासचिव राकेश सोनी के मार्गदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

उक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश सोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष सरगुजा संभाग राजेश सोनी, सचिव पप्पू सोनी तथा जिला पदाधिकारियों में राजेश सोनी हरिओम, रविकांत सोनी, अभिषेक सोनी अजय ओम सोनी, स्पर्श सोनी सभी अंबिकापुर, रवि सोनी, मीनू सुजाता सोनी बलरामपुर तथा इंद्रदेव सोनी, नीरज सोनी एवं डॉ. वृंदा सोनी सभी सीतापुर उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अधिवेशन में सरगुजा के स्पर्श सराफ को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए, पप्पू सोनी को कारगिल युद्ध में योगदान के लिये, रवि सोनी को शिक्षा में गोल्ड मेडल के लिये, डॉ. वृंदा सोनी को शिक्षा के लिए, हिमांशी सोनी को सिविल जज हेतु चयनित होने, राजेंद्र सोनी को सामाजिक कार्य, मौली सोनी को शिक्षा, अभिषेक सोनी को शिक्षा के लिये, शेखर सोनी रायपुर को कला क्षेत्र में अवार्ड देकर सम्मानित किया गया तथा डॉ. डीकेसोनी को उनके द्वारा लगातार समाजहित में कार्य करने के लिए उन्हें भी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

शराब पीने का विवाद इतना बढ़ा कि पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर डाली,आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कुसमी, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरंधा थाना अंतर्गत ग्राम भगवानपुर में 17 सितम्बर 2024 को पुलिस को जानकारी लगी कि श्रवण भुईहर के घर कुछ गड़बड़ है, फिर उसके घर जाकर देखे तो पता चला कि उसकी पत्नी मंगरिता को कपड़े से ढका हुआ है कपड़े हटाकर देखे कपड़े हटाकर देखे तो वह मृत हालत में चित पड़ी हुई थी,वही पुलिस ने घटना स्थल में जाकर शव का पंचनामा कर जब पीएम की कार्यवाही की गई तब शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृतिका की मौत का कारण गला दबने से होने की जानकारी लगी,पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर मृतिका के पति को हिरासत में लेकर पुलिस जब उससे पुछताछ की तो पता चला कि14 सितंबर 2024 के दिन शराब पीने के विवाद में उसने अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर गला दबाकर हत्या करने की बात उसने स्वीकार की घटना के बाद आरोपी पति डर की वजह किसी को घटना की जानकारी न देकर शव को घर में ही छुपा कर रखना बताया,पुलिस ने आरोपी पति श्रवण भुईहर उम्र 26 वर्ष को पत्नी की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

घर में बैठाकर शराब पिलाने व बिक्री करने के मामले में युवक पर कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

घर में बैठाकर शराब सेवन कराने व बिक्री करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 180 एमएल अंग्रेजी शराब भी जब्त किया है। जानकारी के अनुसार गांधीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के सोनी मोहल्ला निवासी रोशन खलखो द्वारा घर में बैठाकर शराब सेवन कराया जा रहा है और बिक्री की जा रही है। सूचना पर गांधीनगर पुलिस 18 सितंबर को उसके घर में छापामारकर आरोपी को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान कई लोग बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिस को देखकर सभी भाग गए। वहीं पुलिस ने रोशन खलखो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से 180 एमएल अंग्रेजी शराब भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 36(सी) के तहत कार्रवाई की है।

फुटबॉल प्रतियोगिता : कपसरा व दुग्गा की टीम ने जीते मैच

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत गुरुवार को दो मैच खेला गया। जिसमें प्रथम मैच पीजी इलेवन अंबिकापुर व फुटबॉल क्लब कपसरा के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ दोनों टीमें बराबर पर रही, दूसरे हाफ के लास्ट समय में कपसरा के वीरेंद्र राजवाड़े ने अपने टीम के लिए पहला गोलकर टीम के लिए 1-0 से बढ़त बना ली और यह निर्णायक गोल रहा। समय समाप्ति तक फुटबॉल क्लब कपसरा 1 गोल से मैच जीत गया। दूसरा मैच फुटबॉल क्लब दुग्गा विरुद्ध कोटया दरीमा अंबिकापुर के मध्य खेला गया, जिसे प्रथम हाफ में दुग्गा की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए 3 गोल की बढ़त बना ली थी, दूसरे हाफ में कोटिया दरिमा की टीम ने 1 गोल करने में सफल रहा। वहीं खेल के अंत तक दग्गा की टीम ने एक और गोल कर 4-1 गोल से मैच जीत लिया। खेत के दौरान रेफरी ललित किशोर, दिनेश तिर्की, सचिन, बालसाय राजवाड़े साथ में सहयोगी अखिलानंद प्रतियोगिता को संपन्न बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

आज का मैच

इस प्रतियोगिता के तहत शुक्रवार को तीन मैच खेला जाएगा। प्रथम मैच एफसी क्लब पोड़िपा व एसटी इलेवन के बीच खेला जाएगा। दूसरा मैच फुटबॉल क्लब परसोड़ी व जीएमसी क्लब अंबिकापुर के मध्य खेला जाएगा। जबकि तीसरा मैच फुटबॉल क्लब चंदन नगर व सरगुजा फुटबॉल अकैडमी के मध्य खेला जाएगा।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल से नवजात को लेकर फरार महिला बंदी झारखंड से गिरफ्तार,प्रहरी को दिया था चकमा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

महिला प्रहरी को चकमा देकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल से अपने नवजात बच्चे को लेकर फरार महिला बंदी को 9 दिन बाद पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार (Escaped female prisoner arrest) किया है। महिला एनडीपीएस एक्ट के मामले में सेंट्रल जेल अंबिकापुर में बंद थी। प्रसव पीड़ा होने पर उसे अगस्त माह में भर्ती कराया गया था। उसने यहां बच्चे को जन्म दिया था। 9 सितंबर को पुलिस ने एसएनसीयू में भर्ती बच्चे को उसे सौंपा था। इसी दौरान वह बच्चे को लेकर फरार हो गई थी।

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आरागाही निवासी 23 वर्षीय महिला पूजा गुप्ता पति सुनील धर गुप्ता को फरवरी माह में एनडीपीएस के एक मामले में गिरफ्तार (Escaped female prisoner arrest) किया गया था। इस दौरान वह गर्भवती थी। महिला की देखभाल के हिसाब से उसे रामानुजगंज जेल से शिफ्ट अंबिकापुर सेंट्रल जेल में रखा गया था।

इसी बीच अगस्त माह में प्रसव पीड़ा होने पर सेंट्रल जेल प्रबंधन द्वारा उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमसीएच में भर्ती कराया गया था। यहां उसने प्री-मेच्योर बच्चे को जन्म दिया था। ऐसे में बच्चे को एसएनसीयू में रखकर इलाज किया जा रहा था।

बच्चे को लेकर हो गई थी फरार

बच्चे की हालत में जब सुधार हुआ तो उसे 9 सितंबर को मां के सुपुर्द कया गया। उसी रात करीब 2 बजे वह टॉयलेट जाने के बहाने महिला जेल प्रहरी को चकमा देकर फरार (Escaped female prisoner arrest) हो गई थी।

इस मामले में जेल अधीक्षक ने प्रहरी को निलंबित भी कर दिया था। वहीं फरार महिला बंदी के खिलाफ मणिपुर पुलिस ने धारा 262 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरु की थी।

झारखंड के विश्रामपुर से गिरफ्तार

पुलिस द्वारा अस्पताल से फरार महिला बंदी की सरगर्मी से तलाश की जा रही थी। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने महिला बंदी पूजा गुप्ता को झारखंड के पलामू जिला अंतर्गत ग्राम नवाडीकला, बिश्रामपुर से गिरफ्तार किया। महिला पुलिसकर्मियों के सहयोग से पुलिस उसे अंबिकापुर लेकर आई और गुरुवार को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

इस्राइल पर हिजबुल्ला ने ड्रोन से किया हमला,युद्ध बढ़ने की आशंकाओं के बीच इस्राइली सेना सीमा पर अलर्ट

इजरायल,19 सितम्बर 2024। हिजबुल्ला ने गुरुवार को उत्तरी इजरायल में एक नया हमला किया, क्योंकि युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में लेबनान में हिजबुल्ला की तरफ से इस्तेमाल किए गए सैकड़ों इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट हुआ है, जिसमें कम से कम 37 लोग मारे गए और लगभग 3,000 अन्य घायल हो गए।

दो दिनों में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट

ये माना जा रहा है कि ये उपकरण विस्फोट इस्राइल की तरफ से एक साथ अधिक से अधिक हिजबुल्ला सदस्यों को निशाना बनाने के लिए महीनों तक चलाए गए अभियान का अंजाम था। दो दिनों में, हिजबुल्ला की तरफ से इस्तेमाल किए गए पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट कर गए, जिससे कुछ लड़ाके घायल हो गए और घायल हो गए। बता दें कि इस विस्फोट में कम से कम दो बच्चे मारे गए हैं।

हिजबुल्ला ने तीन सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

हिजबुल्ला ने गुरुवार की सुबह कहा कि उसने सीमा के पास उत्तरी इजरायल में तीन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था, जिनमें से दो ड्रोन से थे। इस्राइली सेना ने कहा कि ड्रोन हमले में कई लोग घायल हुए हैं। अस्पतालों के अनुसार उन्होंने कम से कम आठ रोगियों का इलाज किया। वहीं इस्राइली सेना ने गुरुवार की सुबह कहा कि उसने रात भर दक्षिणी लेबनान में कई आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। गाजा में हमास के साथ इजरायल का 11 महीने पुराना युद्ध तब शुरू हुआ जब इसके उग्रवादियों ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया।

इस्राइल ने सीमा पर भेजी सैनिकों की टुकड़ी

इस्राइल के अधिकारियों ने कहा कि इस्राइल ने एहतियात के तौर पर बुधवार को लेबनान के साथ अपनी सीमा पर और अधिक सैनिकों को भेजना शुरू कर दिया। इस्राइल के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्ज़ी हलेवी ने कहा कि हिजबुल्ला के खिलाफ अतिरिक्त कार्रवाई के लिए योजनाए तैयार की गई हैं, हालांकि मीडिया ने बताया कि सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि लेबनान में एक बड़ा हमला किया जाए या नहीं।

उपकरणों में हुए विस्फोट की जांच जारी- लेबनान

वहीं दो पहले उपकरणों में हुए विस्फोट पर लेबनानी सेना ने कहा कि वह संदिग्ध पेजर और संचार उपकरणों का पता लगा रही है। जबकि देश के नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने अगले आदेश तक बेरूत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले सभी विमानों पर पेजर और वॉकी-टॉकी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

4-20 अगस्त के बीच सांप्रदायिक हिंसा की 2000 से अधिक घटनाएं,नौ की मौत हुई,अल्पसंख्यक समूह का दावा

ढाका, 19 सितम्बर 2024। बांग्लादेश के एक अल्पसंख्यक समूह ने दावा किया है कि शेख हसीना के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों और उनके देश छोड़कर जाने के दौरान सांप्रदायिक हिंसा की दो हजार से ज्यादा घटनाएं हुईं। समूह का दावा है कि इस दौरान प्रार्थना की 69 जगहों को निशाना बनाया और उनमें तोड़फोड़ की गई।

बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद के उपाध्यक्ष निर्मल रोजारियो ने सांप्रदायिक हिंसा के इन मामले में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने बताया कि देश में 4 अगस्त से 20 अगस्त के बीच तनाव के दौरान 76 में से 68 जिलों में सांप्रदायिक हिंसा के 2010 मामले सामने आए। इन घटनाओं में नौ लोगों मौत हुई।

सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं की जानकारी देते हुए निर्मल ने बताया कि इस हिंसा से 1705 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए। इनमें 157 परिवारों के घरों पर हमला हुआ था, या उन्हें लूटा गया या उनके घरों में तोड़फोड़ हुई थी। कुछ लोगों के घरों में आग भी लगाई गई थी। इतना ही नहीं अल्पसंख्यकों की दुकानों और प्रतिष्ठानों में भी लूट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई।

निर्मल ने कहा कि यह परिवार अब मुश्किल हालात में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि खुलना संभाग में सांप्रदायिक हिंसा की सबसे ज्यादा घटनाएं देखी गईं। यहां चार महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ। प्रभावित हुए 1705 परिवारों में 34 स्थानीय समुदाय हैं और इनमें से कई परिवारों की जमीन पर भी कब्जा कर लिया गया।

इतना ही नहीं 69 प्रार्थनास्थलों पर हमला, तोड़फोड़, लूट और आगजनी की घटना हुई। निर्मल ने इस मामले में बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद के महासचिव राणा दासगुप्ता और अन्य नेताओं पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस लेने की भी मांग की। साथ ही देश में जारी सांप्रदायिक हिंसा को रोकने और इसके जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने शनिवार को ढाका समेत पूरे देश में विरोध प्रदर्शन और रैली निकालने का भी एलान किया।

हम सरकार बनाने जा रहे

श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर NPP नेता दिसानायके का बड़ा दावा

कोलंबो,19 सितम्बर 2024। श्रीलंका में अगले हफ्ते राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इसी को लेकर सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इस बीच, नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अनुरा कुमार दिसानायके ने आगामी चुनाव के लिए अपना अभियान पूरा कर लिया है। उन्होंने दावा किया है कि वह इस साल का चुनाव जीतने जा रहे हैं।

इस दिन होना है मतदान

बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए 21 सितंबर को मतदान होना है। ऐसे में 48 घंटे पहले यानी बुधवार को प्रचार अभियानों पर रोक लगा दी गई है। मतदान शनिवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक 13,400 से अधिक मतदान केंद्रों पर होगा। यहां 1.7 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं।

निश्चित रूप से बनाएंगे सरकार

जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के नेता दिसानायके ने कोलंबो के घनी आबादी वाले नुगेगोडा में अपनी अंतिम रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी जीत सुनिश्चित है। हम 22 सितंबर की सुबह राष्ट्रपति पद पर जीत हासिल कर निश्चित रूप से सरकार बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि उनकी एनपीपी जीत के बाद संपूर्ण शासन और सामाजिक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने यह भी कहा, हमारे पास तमिल और मुस्लिम अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों के लोगों का अविश्वसनीय समर्थन है। हमारी सरकार एक सच्ची श्रीलंकाई सरकार होगी, जो कठिन संघर्षों के वर्षों के दौरान केवल एक सपना ही रह गई थी।

क्या है एनपीपी और जेवीपी में रिश्ता?

गौरतलब है, दिसानायके नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के प्रमुख हैं, जो समान विचारधारा वाले समूहों का गठबंधन है। लेकिन वह मुख्य रूप से 2014 से जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं, जो श्रीलंका का सबसे प्रभावशाली मार्क्सवादी संगठन है, जिसने 1971 और 1987-90 में राज्य की सत्ता पर कब्जा करने के लिए खूनी विद्रोह किए थे। उत्तर कोरिया ने 1971 के विद्रोह का सक्रिय रूप से समर्थन किया था, जिसे भारत सहित कई देशों की मदद से श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कुचल दिया था, जिससे दोनों पक्षों में हजारों लोग मारे गए थे।

दो दिन के लिए लगी चुनाव प्रचार पर रोक

देश में शनिवार को होने वाले चुनाव से पहले जमकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। आज और कल चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं है। ऐसे में पहले ही प्रचार अभियान को पूरा कर लिया गया। श्रीलंका में एक नया राष्ट्रपति पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना जाएगा, जो 73 वर्षों में आए सबसे खराब आर्थिक संकट के बाद पहला चुनाव होगा।

भारत के नोटिस पर आया पाकिस्तान का जवाब,64 साल पुराने करार की समीक्षा चाहती है मोदी सरकार

इस्लामाबाद,19 सितम्बर 2024। भारत सरकार द्वारा सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को नोटिस दिए जाने के कुछ दिनों बाद अब इस्लामाबाद की ओर से जवाब आया है। पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह इस समझौते को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि नई दिल्ली भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा। भारत और पाकिस्तान ने 9 सालों की बातचीत के बाद 19 सितम्बर 1960 को सिंधु जल संधि (आईडब्लूटी) पर हस्ताक्षर किये थे।

जिसका एकमात्र उद्देश्य सीमा पार की नदियों का प्रबंधन करना था।

सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया था कि भारत ने 30 अगस्त को पाकिस्तान को एक औपचारिक नोटिस भेजकर 64 वर्ष पुराने समझौते की समीक्षा करने की मांग की थी। इसमें लगातार सीमापार आतंकवाद के कारण परिस्थितियों में आए ÷मौलिक और अप्रत्याशित÷ बदलावों का हवाला दिया गया था। बता दें कि, संधि के अनुच्छेद (3) के तहत इस बात को भी शामिल किया गया था कि, समय-समय पर दोनों सरकारों के बीच बातचीत के जरिए संधि में संशोधन कर सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया से ऐसा लगता है कि पाकिस्तान उस समझौते में संशोधन करने में दिलचस्पी नहीं रखता है। जिसके तहत दोनों देशों के बीच जल बंटवारे के जटिल मुद्दे का समाधान किया गया था।

भारत के नोटिस पर इस्लामाबाद का जवाब

भारत के नोटिस पर जवाब देते हुए विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा, पाकिस्तान सिंधु जल संधि को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि भारत भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा। बलूच ने बताया कि दोनों देशों के बीच सिंधु जल आयुक्तों का एक तंत्र है और संधि से जुड़े सभी मुद्दों पर इसमें चर्चा की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि संधि से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए कोई भी कदम समझौते के प्रावधानों के तहत ही उठाया जाना चाहिए।

कनाडा ने इस साल अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 35 फीसदी कम वीजा दिए

ट्रूडो का एलान- अगले साल और कम करेंगे

ओटावा, 19 सितम्बर 2024। कनाडा ने अप्रवासन नियमों में सख्ती करते हुए अप्रवासी कामगारों की संख्या पर लगाम लगाई है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय छात्रों को जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या भी कम की गई है। गौरतलब है कि कनाडा ने इस साल यानी 2024 में 35 फीसदी कम 4,85,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वीजा जारी किए हैं। अगले साल कनाडा सरकार इसमें भी 10 प्रतिशत की कटौती कर इसे 4,37,000 करने का एलान कर चुकी है।

ट्रूडो का अप्रवासन में और कटौती का एलान

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हम इस साल 35 प्रतिशत कम अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कनाडा आने की इजाजत दे रहे हैं। अगले साल इन नंबर्स में भी 10 फीसदी की कमी की जाएगी। हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अप्रवासन एक फायदेमंद चीज हैं, लेकिन जब कुछ लोग इस व्यवस्था का गलत फायदा उठाते हैं और छात्रों को दिए लाभ का इस्तेमाल करते हैं तो हम उन पर लगाम भी लगाते हैं। कनाडा के अप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने कनाडा आने वाले अप्रवासियों की संख्या पर लगाम लगाने के लिए कई और कदम उठाने का एलान किया।

कनाडा में बढ़ रहा अप्रवासियों का विरोध

दरअसल कनाडा में स्थानीय लोग अब अप्रवासियों का विरोध कर रहे हैं। कनाडा में घर खरीदना, स्वास्थ्य सेवाएं अब काफी महंगी हो गई हैं। स्थानीय लोग इसकी एक वजह अप्रवासियों को भी मानते हैं। साथ ही नौकरी के घटते अवसर भी अप्रवासियों के विरोध की वजह बने हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अप्रवासी छात्र वीजा का दुरुपयोग करते हैं। यही वजह है कि विरोध के बीच कनाडा सरकार ने भी अब अप्रवासन पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए हैं। कनाडा में सत्ताधारी लिबरल सरकार का विरोध भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि ट्रूडो सरकार भी अप्रवासन पर रोक लगाकर मतदाताओं की नाराजगी को दूर करने की कोशिश कर रही है।

जिले भर के स्वास्थ्य केंद्रों में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन

» स्वच्छाग्राही दीदियों की मिली निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सुविधा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन ने जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान जारी है। अभियान के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम स्वच्छाग्राही दीदियों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें हाइजीन बनाए रखने के टिप्स स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दिए गए। सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में किया गया जहां लगभग साढ़े चार हजार स्वच्छाग्राही दीदियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया गया। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान जारी है जिसकी थीम स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता रखा गया है। इस अभियान के तहत स्वच्छता का महत्व बताते हुए लोगों को अपने घरों में और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्वच्छता से जुड़ी प्रतिदिन की गतिविधियां निर्धारित की गई हैं जिसके अनुरूप कार्य किया जा रहा है।

इमरान की पार्टी का दावा...लाहौर में शनिवार को होने वाली रैली से पहले पीटीआई के दर्जनों सदस्य गिरफ्तार

इस्लामाबाद,19 सितम्बर 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने गुरुवार को दावा किया कि पंजाब पुलिस ने उसके दर्जनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया है। पीटीआई का आरोप है कि पुलिस की यह कार्रवाई शनिवार को लाहौर में होने वाली उसकी रैली के मद्देनजर की गई है। पार्टी ने दावा किया है कि शनिवार की यह रैली उसकी ताकत दिखाने वाली रैली होगी।

पीटीआई के नेता अली एजाज बटर ने कहा कि पुलिस ने पंजाब विधानसभा में वरिष्ठ नेता अफजल फट और दर्जन भर अन्य नेताओं को मीनर-ए-पाकिस्तान मैदान में होने वाली रैली से पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पीएमएल-एन सरकार की ऐसी फासीवादी चालों के बावजूद लाहौर में ऐतिहासिक रैली होना तय है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने 21 सितंबर को लाहौर में बड़ी रैली का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में घरों से बाहर आकर इस रैली में हिस्सा लेने की अपील की है।

पीटीआई नेता सनम जावेद ने कहा कि पंजाब के लोगों, खासकर लाहौर के लोगों के लिए यह एक बहुत बड़ा मौका है, जब वे इमरान खान को समर्थन दिखा सकते हैं। ठीक उसी तरह, जब वे आठ फरवरी को घरों से बाहर आए थे और उनके चुने हुए उम्मीदवारों को वोट किया था। जावेद ने कहा कि यह एक अहम समय है, जब लोगों को चोरी हुए जनादेश के खिलाफ और देश की युवा आबादी के लिए अपनी आवाज उठानी चाहिए।

महिला ने 16 साल के लड़के को प्रेम जाल में फंसाकर किया शारीरिक शोषण

- संवाददाता -
जशपुरनगर, 19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

16 वर्षीय किशोर को अपने प्रेम जाल में फांस कर उसका शारीरिक शोषण और अपहरण करने के मामले में पुलिस ने 25 वर्षीय महिला कि गिरफ्तार कर लिया है। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र के एक गांव का है। थाना प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि पीड़ित किशोर के पिता ने 27 अगस्त को शिकायत दर्ज कराया था कि उसका बेटा 22 अगस्त को फुटबाल मैच देखने के नाम से घर से निकल कर लापता हो गया था।

किशोर के स्वजनों ने अपहरण की आशंका जताई थी। मामले में अज्ञात आरोपित के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने जांच शुरू की। मुखबिरो के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि जिस दिन से किशोर गायब है,उसी दिन से गांव से एक एक विवाहित महिला भी लापता है।

हरियाणा में मिला अपहरित बालक

साइबर सेल के सहयोग से मामले की जांच करने पर पुलिस को जानकारी मिली कि महिला हरियाणा के सैफीदोन थाना क्षेत्र के सानपुर गांव में है। कुनकुरी पुलिस की टीम ने इज गांव में छापा मार कर महिला के घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान अपहरित बालक पुलिस को मिला।

बालक ने पुलिस को सुनाई आपबीती

महिला और किशोर को संरक्षित कर टीम कुनकुरी ले आई। पुलिस को दिए गए बयान में पीड़ित ने बताया की लगभग 6 माह पूर्व आरोपित महिला से उसका परिचय हुआ था। महिला ने उसे बहला फुसला कर अपने जाल में फांस कर उसका शारीरिक शोषण करने लगी। एक दिन उसे बिना रोक-टोक के रहने की झांसा देते हुए हरियाणा ले आई।

क्या दो ठगों के चक्कर में इस तरह फंसे लोग की हो गए कंगाल ?

ठगी के शिकार लोगों की नहीं है शिकायत करने तक की हिम्मत...आखिर क्या है वजह की ठगी के शिकार हुए लोग नहीं करना चाहते शिकायत ?

क्या अपने महंगे शौक को पूरा लिए लोगों को ठगा दोनों ने ?

शासकीय कर्मचारियों ने बैंक से कर्ज लेकर ठगों को सौंपा लाखों...नहीं पटा पा रहे अब बैंकों का वह कर्ज़

ठगों ने कर्मचारियों से भी करवाया एक ठगी एक महीने में चार बैंकों से दिलवाया लोन

ऐसा कोई वर्ग नहीं बचा जो ठगों से बच सका हो, अब लोग सिर्फ पचता रहे और ठगों के आश्वासन के भरोसे पर बैठे हुए हैं...

सूरजपुर जिले के असफाक व संजीत ठगों की श्रेणी में आ चुके यह दावा हमारा नहीं निवेशकों का है...

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर, 19 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

फ्रॉड और ठगी के मामले यह सब अखबारों की सुर्खियां बन चुके हैं इसकी वजह सिर्फ एक है वह है इनके झांसों में लोगों का आना लालच में लोगों का आना, ठगी या फ्रॉड किस तरीके से कैसे हो जाए इसकी कल्पना भी लोग नहीं किए रहते हैं और अंत में उसके शिकार हो भी जाते हैं, अच्छे-अच्छे बुद्धिजीवी कानून के रक्षक तक फ्रॉड या ठगी का शिकार होते जा रहे हैं और इसका सिर्फ एक ही का कारण माना जा रहा है अपने जरूरत से ज्यादा कमाना और कमाने का शौक रखना, जिसके चक्कर में ठगों को वह अपनी जीवन भर की जमा पूंजी सौंप दे रहे हैं या कर्ज लेकर भी अपनी लालसा पूर्ति के लिए ठग गिरोहों के चक्कर में आ जा रहे हैं, आज की स्थिति में सूरजपुर के दो ठग ऐसे सामने आए हैं जिन्होंने कर्मचारीयों,पुलिसकर्मियों,व्यापारियों,अधिवक्ताओं किसी को भी नहीं छोड़ा सभी को अपने ठगी के जाल में फंसा लिया और सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि इनमें ऐसे भी लोग हैं जो न्याय से जुड़े हुए हैं वह भी इन ठगों के चक्कर में फंस गए, शिवप्रसादनगर का असफाक और सूरजपुर का संजीत यह दोनों ठगों की श्रेणी में आ चुके हैं 3 साल से लोगों को यह बेवकूफ बनाकर लाखों लेकर उन्हें किस्तों में ब्याज के तौर पर पैसे देते थे और अब स्थिति यह हो गई है कि अब इनके पास पैसे देने के लिए तो हैं नहीं,वहीं लोगों से मिलने तक की हिम्मत इनमे शेष नहीं है जो लोग इनके झांसे में आ चुके हैं वह लोग इन्हें बेसब्री से खोज रहे हैं और यह लोगों की नजरों से नौ दो ग्यारह हो चुके हैं, वहीं यह दोनो ठग सिर्फ सोशल मीडिया पर ही लोगों का आश्वासन बनाए रखे हैं कि हम पैसे लौटा देंगे। लोग इन दोनों ठगों के चक्कर में अपने को बर्बाद कर चुके हैं स्थिति काफी खराब होते जा रही है...कुछ भी घटना घट सकती है पर पुलिस आज भी हाथों में हाथ धरे ही बैठी है उसे अभी भी इंतजार है की कोई शिकायत करे, जबकि वह भी जान रही है की यह दो ठग कई सौ करोड़ का ठगी जिले में करके फरार हैं और जिनसे ठगी हुई है वह अभी भी अपना पैसा वापस होगा इस इंतेजार में हैं।

कहां मिलेंगे असफाक-संजीत ?

असफाक और संजीत कई सौ करोड़ का फ्राड कर फरार बताए जा रहे हैं। महंगी विदेशी गाड़ी,देश की महंगी गाडियां,महंगे होटल के शौक,विदेश तक तीर्थयात्रा वहीं देश के बड़े बड़े शहरों में लगातार दौरा ठहराव और वहां का खर्च वह कैसे वहन करते थे यदि इस बात पर निवेश करने वाले ध्यान देते उनका पैसा डूबने से बच जाता। आज जो पैसा यह दोनों ऐशो आराम में खर्च कर चुके वह पैसा यह कहां से लौटाएंगे यह बड़ा सवाल है और सच्चाई भी। पैसा कहीं निवेश किया ही नहीं गया यह कहना भी गलत नहीं होगा। अब जो कुछ पैसा बचा भी है वह लेकर दोनों फरार हैं और उसी के भरोसे फरार भी रहने वाले हैं जबतक पैसा है। लोगों का पैसा लौटेगा यह लगता नहीं वहीं अब लोग भी जान चुके हैं लेकिन डूबते को तिनके का सहारा या आश्वासन का सहारा वाला मामला है जिस भरोसे निवेशक अभी भी उम्मीद लगाए बैठे हैं। वैसे दोनों ठग हैं कहां यह बड़ा सवाल है और वह कब सामने आएंगे यह भी एक बड़ा प्रश्न है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-सरगुजा-जशपुर-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर ,सोमवार 04 मार्च 2024 | 6

कौन है असफाक उल्लाह जिनके ऊपर लोग विश्वास करके अपना करोड़ों रुपए दांव पर लगा रहे हैं ?

>> करोड़ो रुपए लगाने पर देते हैं गिफ्ट में महंगी महंगी कार:सूत्र
>> इनका धंधा वैध या अवैध जांच एजंसियों के लिए जांच का विषय
>> ईडी और आईटी को भी इनके कारोबार की करनी चाहिए जांच
>> आलीशान ऑफिस, घर व कार लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र

-विशेष संवाददाता-
अंबिकापुर/सूरजपुर/कोरिया
03 मार्च,2024
(घटती-घटना)।

पुलिस विभाग के कर्मचारियों सहित कई शासकीय कर्मचारी व अधिकारी इनके चपेट में

शेयर मार्केट के नाम पर पहले भी चलाई जाती थीं संस्थाएं, लगभग सभी हुई बंद,सभी में लोगों का डूबा पैसा

अभी तक ईडी व आईटी की नजर क्यों नहीं पड़ी इन पर

इनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की होनी चाहिए जांच

दो नंबर वाले पैसे का लगाया जा रहा है इनके पास

असफाक ने भी डाल रखा था महंगा ऑफिस

अशफ़ाक ने शिवप्रसादनगर में काफी आलीशान ऑफिस डाल रखा था, जहां पर लोग पहुंचते थ उसे ऑफिस को देखकर भरोसा करते थे पर अपना पैसा उसे ऑफिस के भरोसे देते थे कि कहीं भी यह भागेगा नहीं, अब जब भाग गया है तो वह ऑफिस में भी ताला लटका हुआ है अब कौन सा ऑफिस जाकर अशफाक से लोग पैसा लेंगे यह भी सोच रहे? जब खबर छप रही थी और लोगों को खबर से सचेत कर रहा था फिर भी लोग अखबार की खबरों से सीख नहीं लिए और लाभ कमाने के चक्कर में पैसा लगाते रहे यहां तक की खबरों को भी झूठा साबित करने का प्रयास असफाक और पिता ने किया पर अंततः जब लोग ठगी के शिकार हो गए तो यह बात भी सही हो गई की समाचार सही था और अखबार लोगों को सचेत कर रहा था फिर भी लोग सचेत नहीं हुए।

दोनों ठगों के परिवारजन भी हैं ठगी में शामिल

सूत्रों की माने तो दोनों ठगों का परिवार भी पूरे मामले में शामिल है या उन्हे सब कुछ ज्ञात है, जिस समय लोग पैसा लगा रहे थे उसे समय उनके परिजन भी भरोसा दिला रहे थे पैसा नहीं डूबेगा अब जब डूब गया है तो सभी हाथ खड़ा कर बैठे हुए हैं, कोई भी अपना ना तो उसका पता बता रहा है नहीं उससे पैसे दिलवाने की कोई पहल कर रहा है।

पुलिस के पास शिकायत लेकर जा भी रहे हैं तो यह कह रहे हैं कि ठगों पर दबाव बनाकर पैसे दिलवा दीजिए...

स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि जो लोग अपना पैसा डूबा चुके हैं वह साम दाम दंड भेद सब तरीके से पैसे निकालने का प्रयास कर रहे हैं यहां तक की पुलिस के पास कई शिकायत भी पहुंच चुकी है पर शिकायत करने वाले पुलिस को एफआईआर दर्ज करने नहीं बोल रहे हैं उन्हें बोल रहे हैं तो सिर्फ कि आप उसके घर वाले पर दबाव बनाकर पैसा हमारा दिलवा दीजिए ऐसे में पुलिस भी करें तो क्या करे? क्या पुलिस की लेट लतीफ कार्यवाही की वजह से कोई बहुत बड़ी घटना न घट जाए ऐसा भी अंदेशा जताया जा रहा है।

असफाक व संजीत के लिए पैसे लगवाने वाले भी मुसीबत में उनके यहां भी लोग रोज बैठ रहे हैं, तगादा कर रहे हैं...

असफाक व संजीत यह दो ऐसे नाम है जो अपने पास पैसे निवेश करवाने के लिए कई लोगों को रखे हुए थे जो उनके पास लोगों का पैसा लेकर लगाते थे जब तक लाभ आ रहा था, तब तक सब कुछ ठीक था जैसे ही लाभ आना बंद हुआ तो असफाक व संजीत के पास दूसरों का पैसा लगवाने वाले भी मुसीबत में हैं, क्योंकि जिनके माध्यम से वह पैसा लेकर आए थे अब पैसा देने वाले उनके दरवाजे पर भी बैठ गए हैं और पैसा अपना मांग रहे हैं पर वह भी पैसा दे पाने में सक्षम नहीं है क्योंकि उनके आका ही डूब चुका है तो उन्हें पैसे कहां से मिलेंगे।

ठगों ने कर्मचारियों से भी करवाया ठगी का काम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ठगी करने वाले की सोच काफी ऊपर की है उन्होंने कर्मचारियों से पैसे निकलवाने के लिए एक महीने में ही कई बैंकों से कर्ज दिलवा दिया, वह कर्ज उन्होंने एक महीने में इसलिए दिलाया ताकि बैंक को सिविल में ना दिख सके की उनका लोन कहां कहां है, सिविल में कोई भी ऋण एक माह बाद दिखता है जिसका फायद उठा कर एक माह में कई बैंक से ऋण ले लिया गया, यह तरकीब के जरिए ठगों ने कर्मचारियों से ऋण कई बैंकों से निकलवाने लिए और कर्मचारियों को कर्ज दिला कर पैसे को अपने पास ले लिया, अब जब बैंक कर्ज के लिए कर्मचारी से पैसा वसूलना चाह रही है तो कर्मचारियों के पास पैसे ही नहीं है जितनी उनकी तनख्वाह है उससे ज्यादा का कर्ज़ का किस्त है अब कर्मचारी फस गए हैं कि करें तो करें क्या? शिकायत करें तो कैसे करें? क्या करें? उन्हें लग रहा है कि दबाव बना कर ही पैसे निकल जाए तो अच्छा है नहीं तो डूबना ही उन्हें मंजूर है, बैंकों के नोटिस कर्जदारों को पहुंचने लगे हैं और कर्जदारों में छटपटाहट भी होने लगी है, ठगों द्वारा दिए गए चेक भी बाउंस होने लगे हैं फिर भी इंतजार शिकायतों की ही है। फ्रॉड करने वाले को यह जानकारी पहले से थी कि किसी भी कर्ज का सिविल में दिखाने के लिए एक महीने लगता है जिसका फायदा उठाकर फ्रॉड ने कर्मचारियों से एक ही महीने में अलग-अलग बैंक से कर्ज दिलवा दिया और कर्ज के आए पैसे को अपने यहां निवेश करवा लिया। वैसे इस बात की सच्चाई की पुष्टि घटती घटना नहीं करता, वहीं यह यदि जांच होगी तभी पता चल सकेगा की क्या यह संभव हैं या ऐसा हुआ है की एक माह के भीतर एक कर्मचारी का कई बैंक से ऋण स्वीकृत हुआ है वह भी उसकी ऋण लेने की क्षमता से अधिक का ऋण।

असफाक व संजीत ने अपनों को ही लूट लिया

सूत्रों का यह भी दावा है कि असफाक व संजीत ने अपने करीबियों को ही लूटा है और उनके विश्वास पर उन्होंने छुरा घोंपा है, जिस विश्वास से उन्होंने निवेशकों से पैसा लिया उस विश्वास से वह निवेशकों का पैसा नहीं लौटा पा रहे हैं, अब स्थिति यह हो गई है कि अपने-अपने क्षेत्र से वह फरार हैं और भागे फिर रहे हैं निवेशकों से संपर्क करना नहीं चाह रहे हैं, निवेशक चाहे कुछ करें पर उन्हें अब फर्क नहीं पड़ रहा, निवेशक भी लाचार हैं मायूस बैठे हैं उन्हें कोई कानूनी सलाह देने वाला भी नहीं है, सब अपने-अपने पैसे को निकालने के लिए अपने-अपने तरीके से प्रयास कर रहे हैं और मेरा निकल जाए की स्थिति में वह काम कर रहे हैं। हर निवेशक अपना पैसा निकालना चाहता है जबकि यदि पिछले कई ठगों के उदाहरण देखे जाएं तो अब यह संभव नहीं है की किसी का भी पैसा वापस होगा क्योंकि पैसा निवेश हुआ ही नहीं बल्कि येस आराम में खर्च हुआ।

ठगी से बचाने वाली पुलिस के कर्मचारी भी ठगों के चक्कर में फंसे:सूत्र

सूत्रों की माने तो जिस पुलिस का काम ठगों से आम लोगों को बचाने का होता है वह भी ठगी का शिकार हुए और ठगों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा, कई पुलिसकर्मी भी दोनों ठगों के ठगी का शिकार हो चुके हैं। अब पुलिसकर्मी भी अपना पैसा निकल जाए इस जुगत में हैं जबकि सूत्रों की माने तो अब ठग खुद कंगाल हो चुके हैं और उनके पास अब लौटने के लिए कुछ नही है। वही पुलिस भी ठगों के सामने लाचार है क्योंकि वह अपने ठगे जाने का शिकायत नहीं कर सकती।

पैसा लिया इकट्ठा और लोगों को दिया थोड़ा-थोड़ा

ठगों का यह कारोबार घटती घटना की खबर प्रकाशन तक जोर शोर से जारी रहा। जब तक लोगों को सच्चाई का ज्ञान नहीं था लोग ठगों के पास आते रहे, वहीं ठगों को भी तब तक आसानी रही की वह इसकी टोपी उसके सिर करते रहे, लेकिन जैसे ही इनका चैन टूटा और लोग निवेश करने से बचने लगे इनका व्यवसाय ठप्प होता गया और फिर धीरे धीरे सब कुछ समाप्त हो गया। बता दें की ठगों के द्वारा लोगों का पैसा इकट्ठा लिया गया निवेश के नाम पर वहीं उन्ही का पैसा वह ब्याज के नाम पर थोड़ा थोड़ा करके लौटाते रहे वहीं जैसे ही उन्हे आभास हुआ की अब वह पैसा ज्यादा उठा लिए हैं और वह शानो शौकत में खर्च हो चुका है वहीं दैनिक घटती घटना की खबर से नए लोग ठगी से बचने लगे हैं वह फरार हो गए। अब फरार होकर वह बचते फिर रहे हैं वहीं निवेशक इंतजार में हैं की एक दिन पैसा मिलेगा जिसको लेकर यह स्पष्ट अब कहा जा सकता है की पैसा डूब चुका लोगों का और अब वह पैसे की आस में जितना संतोष कर लें उतना ही उनकी मन की शांति के लिए काफी है।

संजीत ने कई बार बदला ऑफिस नाम

क्या संजीत अग्रवाल शेयर मार्केट के आड़ में लोगों को ठग रहा था? एक आलीशान ऑफिस बनाकर क्या लोगों को यह विश्वास दिला रहा था कि वह शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा है पर सवाल यह भी है कि आखिर शेयर मार्केट में ऐसा कौन सा प्रॉफिट हो रहा था कि वह 20 प्रतिशत अपने निवेशकों को दे रहा था और जब उसको शेयर मार्केट में इतना प्रॉफिट हो रहा था तो फिर 2 महीने से फरार क्यों है यहां तक कि ऑफिस में भी 2 महीने से ताला लगा हुआ है सूत्रों का यह भी कहना है कि समय-समय पर ऑफिस का नाम भी बदलता था कई बार ऑफिस का नाम बदल चुका है अभी जो वर्तमान में उसके ऑफिस का नाम स्टॉक सॉल्यूशन रखा गया था जो अंबिकापुर में होली क्रॉस के सामने स्थित था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में हरे-भरे पेड़ काटकर पेड़ों की

लकड़ी बेचने का यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाया आरोप

खंड चिकित्सा अधिकारी को भी नहीं पता किसने कब कटवाया पेड़ और लकड़ी गई कहां,यह भी लगाया गया आरोप

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पेड़ काटने का केवल लिखा गया पत्र और पेड़ काटा गया,सुजीत सोनी कार्यवाहक अध्यक्ष युथ कांग्रेस कोरिया

पेड़ काटने की अनुमति मिली नहीं,इसका कोई भी नहीं उपलब्ध है दस्तावेजःसुजीत सोनी

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/पटना,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नए-नए बने नगर पंचायत पटना में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कई हरे भरे पेड़ कटवा दिए गए बिना अनुमति और उन्हें या तो बेच दिया गया या अन्यत्र ले जाया गया जिसकी जानकारी खंड चिकित्सा अधिकारी को भी नहीं है यह आरोप युथ कांग्रेस कोरिया के जिलाध्यक्ष कार्यवाहक सुजीत सोनी ने लगाया है। सुजीत सोनी ने कलेक्टर कोरिया को पत्र लिखकर शिकायत की है और जांच कर कार्यवाही की मांग की है। वैसे एक पत्र 4 सितंबर का खंड चिकित्सा अधिकारी का लिखा हुआ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैकुंठपुर को एक पत्र भी समाने आया है जिसमे कुछ पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति मांगी गई है जो अस्पताल भवन को नुकसान पहुंचा सकते हैं लेकिन उस पत्र में या उसके आधार पर अनुमति मिली है ऐसा कोई पत्र सामने नहीं आया है।

वैसे जानकारों की माने तो हरे वृक्षों को काटना अपराध है वह भी बिना अनुमति काटना वह भी शासकीय भूमि पर लगे पेड़ों को यह और बड़ा अपराध है। जानकारों की ही माने तो पेड़ काटे गए भी तो उन्हें वन विभाग के हवाले किया जाना चाहिए या उनकी नीलामी की खुली प्रकिया अपनाई जानी चाहिए लेकिन शिकायत अनुसार पेड़ काटे गए लकड़ी कहां गई यह कोई नहीं जानता वहीं यदि खंड चिकित्सा अधिकारी की माने तो पेड़ों की लकड़ी कहां कई उन्हे भी नहीं पता। वैसे शिकायत के अलावा एक बात और सामने आई है और वह यह की पेड़ जिन्हे काटा जाना था उनकी जगह कई अन्य पेड़ काटे गए और उनकी लकड़ी या तो बेची गई या कहीं ले जाया गया जिसकी जानकारी कुछ लोगों को ही है। वैसे अब देखना यह है की युथ कांग्रेस अध्यक्ष की शिकायत पर क्या कलेक्टर कोरिया संज्ञान लेती हैं और इस मामले में जांच कर कार्यवाही करती हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 7 दिवस के भीतर खंड चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना नहीं होने पर यूथ कांग्रेस करेगा आंदोलन

युथ कांग्रेस कोरिया के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही सुजीत सोनी काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं और जन समस्याओं और जन सुविधाओं को लेकर वह लगातार उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में खंड चिकित्सा अधिकारी की स्थाई पदस्थापना की मांग की है और कलेक्टर कोरिया को पत्र लिखकर 7 दिवस के भीतर स्थाई खंड चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने की स्थिति में उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी है। वैसे बता दें की पूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी ने प्रभार का त्याग कर दिया था तभी से प्रभारी के भरोसे खंड चिकित्सा अधिकारी का कार्य ऐसे ही चल रहा है। पूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी को लेकर यदि बात की जाए तो उनकी लोकप्रियता ज्यादा थी और चूंकि वह नेत्र सहित शल्य चिकित्सक के रूप में खुद सेवा प्रदान करते थे जिससे उनके रहते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा था। अब जबसे वह प्रभार का त्याग किए हैं लोग उनकी ही पदस्थापना की मांग कर रहे हैं वहीं युथ कांग्रेस किसी भी स्थाई खंड चिकित्सा अधिकारी की मांग कर रहा है। वैसे पूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी विशेषज्ञ चिकित्सक हैं इसलिए भी उनकी मांग ज्यादा है। अब देखना है की क्या पूर्व की ही वापसी होती है 7 दिवस के भीतर या फिर किसी नए को ही स्थाई प्रभार मिलता है। वैसे किसी विशेषज्ञ को ही प्रभार मिले यह क्षेत्र के लोगों की मंशा है।

युथ कांग्रेस कार्य.अध्यक्ष सुजीत सोनी की शिकायत को लेकर लोग भी हैं सहमत

युथ कांग्रेस अध्यक्ष सुजीत सोनी की शिकायत जो हरे पेड़ों की कटाई मामले की शिकायत है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के परिसर के भीतर के को लेकर नगर के लोग भी सहमत हैं और हरे पेड़ों की कटाई करने वालों के ऊपर कार्यवाही हो वह भी चाहते हैं। मामला तूल पकड़ सकता है यदि हरे पेड़ों की लकड़ी की भी बिक्री गलत तरीके से हुई है वहीं पेड़ों की कटाई भी जब पर्यावरण के हिसाब से अनुचित है। वैसे अब जांच और कार्यवाही का लोगों को इंतजार है।

जल्द नहीं मिलती हरे वृक्षों को काटने बेचने की अनुमति

खंड चिकित्सा अधिकारी पटना के द्वारा पेड़ों की कटाई के लिए पत्र जरूर अनुमति के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को लिखा गया है लेकिन इतनी जल्द हरे पेड़ों की कटाई की अनुमति मिल जाए यह असंभव है यह जानकारों का कहना है। वैसे पेड़ काटने और उसे ठिकाने लगाने में एक अस्पताल कर्मचारी का ही मुख्य रूप से हांथ है यह बताया जा रहा है।

काटना था कहीं और का पेड़ काटा गया कहीं और का पेड़

सूत्रों की माने तो अस्पताल भवन सुरक्षा के नाम पर कहीं और का पेड़ काटा जाना चाहिए इसके लिए खंड चिकित्सा अधिकारी ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पत्र लिखा था लेकिन बताया जा रहा है पेड़ कहीं और का काटा गया जिसे काटना जरूरी नहीं था। वैसे सच्चाई क्या है यह घटती घटना पुष्टि नहीं करता लेकिन शिकायत यदि सही है तो जांच और वन्य पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही आवश्यक हो जाती है जिससे आगे से लोग सचेत रहें।

एक तरफ एक वृक्ष मां के नाम का मुख्यमंत्री का अभियान,एक तरफ हरे भरे पेड़ों की कटाई

प्रदेश के मुख्यमंत्री एक तरफ एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर पर्यावरण की सुरक्षा का अभियान चला रहे हैं वहीं यदि यूथ कांग्रेस कोरिया के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत सोनी की शिकायत सही है तो इस अभियान को पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कुछ लोग नाकाम करने में लगे हैं और हरे पेड़ों की कटाई कर उसे बेच चुके हैं। यदि शिकायत में सच्चाई है तो जांच कर कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि मामला पर्यावरण से जुड़ा हुआ है।

गैस एजेंसियों की मनमानीः शिवसेना उद्धव गुट ने पेट्रोलियम मंत्री,कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शिवसेना (उद्धव गुट) जिला अध्यक्ष विष्णु वैष्णव के नेतृत्व में पेट्रोलयम मंत्री एवं कलेक्टर के नाम जिले में ज्ञापन सौंपा एवं मेरे शिवसैनिकगण जिला ईकाई के द्वारा सामान्य जनों से चर्चा के पश्चात ज्ञात हुआ कि भारत सरकार की जन उपयोगी महत्वकांक्षी योजना उज्जला मे 10रू. व 20रू. स्वयं लेने आने वाले से भी ज्यादा चार्ज ले लिया जा रहा है। जबकि 26रू.परिवहन चार्ज गैस सिलेंडर में समाहित है। इस प्रकार का अतिरिक्त चार्ज लिया जा रहा है लगभग हजारों की संख्या में (एल.पी.जी.) गैस उपभोक्ता है। गैस एजेन्सी एच,पी (एक्का गैस एजेन्सी) एवं भारत गैस एजेन्सी के संचालकों द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक का शुल्क लेकर लाखों रूपये का अवैध वसूली की जा रही है। जिसकी समुचित जांच करा कर,उक्त पैसे की वसूली करके उभोक्ताओं को वापस दिलाई जावे तथा इनकी संचालन करने की मान्यता रदद् करा कर,किसी अन्य को एजेन्सी दिलाये।

प्रशासन से अनुरोध कर दस दिवस के अन्तर कार्यवाही न होने पर, शिवसेना संविधानिक तरीके से धरना प्रदर्शन आन्दोलन हेतू विवश होगी जिसकी समस्त जवाब देही शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने में जिला प्रमुख विष्णु वैष्णव,ग्रामीण जिला प्रमुख हेमंत कुमार महन्त,ब्लाक प्रमुख मोहन सिंह टेकाम,नगर प्रमुख साहिल खान, नगर प्रमुख डा.आर एस पटेल,पिंकी पटेल,उमेशचंद्र लाल श्रीवास्तव,गौतम कुमार,राधिका सिंह,सोनू ,अन्य शिव सैनिकगण शामिल रहें।

80,000 रुपये की रिश्वत मांगने वाला पटवारी सस्पेंड

कलेक्टर ने लिया तत्काल एक्शन

-संवाददाता-
कोरबा,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पटवारी द्वारा फौती नामांतरण के लिए 80,000 रुपये की रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है, जिसके बाद कलेक्टर अजीत वसंत ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पटवारी को सस्पेंड कर दिया है। यह मामला कोरबा जिले के ग्राम कोरकोमा का है, जहां अरजन सिंह चौधरी नामक ग्रामीण ने फौती नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन किया था। तहसील भैसमा के पटवारी विमल सिंह ने फौती नामांतरण के बदले अरजन सिंह से 80,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ग्रामीण ने इसकी शिकायत जिला प्रशासन और मीडिया से की। जब मामला मीडिया में प्रमुखता से उठाया गया, तब कलेक्टर अजीत वसंत ने इसकी जांच के आदेश दिए।

कलेक्टर की कार्रवाई

जांच के दौरान पटवारी विमल सिंह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद कलेक्टर ने भ्रष्टाचार के आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया। निलंबन की अवधि में पटवारी विमल सिंह को जटगा तहसील के राजस्व निरीक्षण मंडल में स्थानांतरित किया गया है।

लगातार हो रही कार्रवाई के बावजूद भ्रष्टाचार जारी

राज्य में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम द्वारा राजस्व विभाग सहित अन्य सरकारी विभागों में लगातार छापेमारी की जा रही है। बावजूद इसके, रिश्वतखोरी के मामलों में कोई कमी नहीं दिख रही है। यह ताजा मामला बताता है कि प्रदेश में भ्रष्ट अधिकारी रिश्वत मांगने से बाज नहीं आ रहे।

प्राथमिक शाला सड़कपारा तुलसी में शिक्षक पालक सम्मेलन आयोजित

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए गावों में अभिभावकों को शाला से जोड़ने हेतु शिक्षक पालक सम्मेलन के निर्देश वर्तमान सत्र में दिए गए है इस हेतु अन्य विभाग के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वर्तमान सत्र में समिति की दूसरी बैठक का आयोजन शाला स्तर पर किया गया । प्राथमिक शाला सड़कपारा तुलसी एवम् माध्यमिक शाला तुलसी में शिक्षक पालक सम्मेलन संयुक्त रूप से आयोजित किया गया जिसमे बच्चो के माता पिता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक एवम् राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित रंजय सिंह ने सभी अभिभावकों का शाला परिसर में स्वागत करते हुए सभी पालकों को नियमित शाला भ्रमण करने का आग्रह किया गया इन्होंने बताया की शिक्षक पालक को मिलकर शालाओं को बेहतर बनाना है इसके अलावा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर काम करने की जरूरत है वर्तमान में शाला में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर कार्य करने का प्रयास किया जा रहा है सभी पालक यदि सहयोग करे तो विद्यालय को और अच्छा बनाया जा सकता है जिसे उपस्थित सभी ग्रामीणों ने सराहा है एवं भरपूर सहयोग करने का आश्वाशन प्रदान किया गया । विदित हो की संस्था के सभी छात्र प्रतिदिन माता पिता के चरण स्पर्श कर विद्यालय आते हैं साथ ही प्रतिदिन सामान्य ज्ञान के साथ महत्वपूर्ण समाचार का वाचन कराया जाता है बच्चो को गृह कार्य प्रतिदिन दिया जाता है गृह कार्य की जांच भी प्रतिदिन की जाती है बच्चो के साफ सफाई के साथ नैतिक शिक्षा भी दी जा रही है । प्राथमिक शाला सड़क पारा तुलसी में प्रतिवर्ष दर्जसंख्या में वृद्धि दर्ज हो रहा है ऐसी स्थिति में अतिरिक्त कक्ष की जरूरत है बच्चो के बैठने हेतु स्थान का अभाव है एक से लेकर तीन तक के विद्यार्थी एक साथ बैठकर पढ़ने को मजबूर है जिस पर अधिकारियों एवम् जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराए जाने का निर्णय लिया गया ।

इस अवसर पर शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष चुन्नीलाल,मोहर मनियां रजवाड़े के साथ साथ वरिष्ठ ग्रामीण हीरालाल सिंह,जागीर साय,राम कृष्णा राजवाड़े,आलम साय,बच्चा लाल चौधरी,जनशिक्षक मनीष केहरी,शिक्षक प्रदीप जायसवाल,एंजेला टोप्पो,प्रभाती बैरागी,विशाल पांडेय, यसवंत जायसवाल,संजय केशरी सहित अन्य अभिभावक उपस्थित रहे।

अभाविप कोरिया के कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय प्रशासन से जताई नाराजगी कहा फर्जीवाड़ा नहीं चलेगा

-संवाददाता-
कोरिया,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जिला कोरिया की इकाई सोनहत के कार्यकर्ताओं ने आज ÷महाविद्यालय प्रशासन होश में आओ÷ के नारों के साथ नवीन महाविद्यालय सोनहत में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा अतिथि व्याख्याता शिक्षक भर्ती नियम 2024 का उल्लंघन करते हुए एक ऐसी शिक्षिका की नियुक्ति को लेकर किया गया, जो अन्य महाविद्यालयों में अपात्र घोषित हो चुकी हैं। प्रदर्शन के दौरान अभाविप ने आरोप लगाया कि सैयद जेबा बख्तियार नाम की शिक्षिका को महाविद्यालय के प्राचार्य ने मनमानी तरीके से और पैसे की साठगांठ करके नियुक्त किया है। जेबा बख्तियार, जिन्हें अन्य महाविद्यालयों में अपात्र माना गया था, की नियुक्ति को लेकर विद्यार्थी परिषद ने गहरी नाराजगी जताई और इसे शिक्षा के व्यापारीकरण की ओर संकेत बताया।

अभाविप का आरोप जेबा बख्तियार का एमफिल प्रमाणपत्र फर्जी

अभाविप ने यह भी आरोप लगाया कि जेबा बख्तियार जी का एमफिल प्रमाणपत्र फर्जी है, क्योंकि उन्होंने एक ही सत्र में एमफिल किया और साथ ही सूरजपुर महाविद्यालय में पढ़ाया भी, जो नियमों के खिलाफ है। उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया अनुभव प्रमाणपत्र और एमफिल डिग्री दोनों ही संदिग्ध हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने इन तथ्यों की अनदेखी कर उन्हें नियुक्त किया, जिससे प्राचार्य और बख्तियार मैडम के बीच साठगांठ का संदेह उत्पन्न होता है। अभाविप ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यदि इस मुद्दे पर उचित और त्वरित कार्यवाही नहीं की गई, तो संगठन जिले भर में व्यापक प्रदर्शन और उग्र आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

विरोध प्रदर्शन ये रहे उपस्थित

विरोध प्रदर्शन के दौरान उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ताओं में अभाविप कोरिया विभाग संयोजक अंकुर पटेल, जिला संयोजक केशव राजवाड़े, सोनहत नगर मंत्री बलबीर पूषाम, पूर्व जिला सह संयोजक आकाश सिंह, नगर सह मंत्री विशाल यादव, सह ऋषभ मंत्री राजवाड़े, सह मंत्री विकास राजवाड़े,संजीव राजवाड़े, नीरज राजवाड़े, रमेश चक्रधारी,अनिल साहू, संजय कुमार और सोनू सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202403020700245

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्:-2023-24
अम्बिकापुर प.ह.नं.00015(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-श्रीराम,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक श्रीराम आ0 जयनाथ राम व अन्य, निवासी महामाया मंदिर नवागढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2258/2 रकबा 0.132 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदकगण का नाम त्रुटिवश रमाशंकर अंकित हो गया है, जबकि आवेदकगणों का वास्तविक नाम श्रीराम एवं शंकर राम राजवाड़े है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्षमें प्रस्तुत कया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/09/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/03/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन संभाग बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eprocurment portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक :03/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 16.09.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 07.10.2024 (17.00 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः-

यूप क्रं.	सिस्टम निविदा क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	158559	लावा जलाशय योजना के बांध पर आर.डी.0 मी. से 680मी.एवं स्पील चैनल पर मिट्टी का कार्य एवं 02 नग हेड स्लूस बाई तट नहर एवं दांयी तट पर नहर 01 नग (01मी.) फाल कम वेस्ट वियर, 03 नग शूट फॉल (5.40मी.) का निर्माण तथा बायीं तट नहर के आर.डी.0 मी. से 2820 मी. तक मिट्टी का कार्य साथ में 35 नग पक्की संरचनाओं का निर्माण कार्य एवं 25 नग डायरेक्ट आउट लेट का फिक्सिंग कार्य सहित	रू.3040.02 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट :https://eproc.cgstate.gov.inपर दिनांक 23.09.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किए जा सकते हैं।

नोटः-निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट :https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर
बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा(छ.ग.)

जी.नंबर-242502539/3

अश्विन का शतक,तूफान जडेजा,यूं बांग्लादेश का उतरा पाकिस्तान वाला नशा

» पहले टेस्ट में भारत 34 रन पर 3 विकेट गंवाकर कर रहा था संघर्ष

» इसके बाद यशस्वी जायसवाल और पंत ने दिखाया साहस,संभाली पारी

» आखिरी में अश्विन ने शतक ठोका तो जडेजा ने भी जड़े नाबाद 86 रन

चेन्नई,19 सितम्बर 2024। भारतीय टीम के जब 3 बड़े विकेट सिर्फ 34 रनों के स्कोर पर गिरे तो बांग्लादेश क्रिकेट टीम की खुशी का ठिकाना नहीं था। हर खिलाड़ी के चेहरे पर खुशी देखते बन रही थी। रोहित शर्मा (6), शुभमन गिल (0) और विराट कोहली (6) सिंगल डिजिट में पवेलियन लौटे तो लगा भारतीय टीम कहीं पाकिस्तान की तरह घुटने न टेक दे। यशस्वी जायसवाल (56) और ऋषभ पंत (39) ने कुछ साहस दिखाया केएल राहुल (16) का बल्ला धोखा दे गया, लेकिन हमेशा से भारतीय टीम को मुश्किल से उबारने वाले रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने एक बार फिर मोर्चा संभाला और शाम होते-होते बांग्लादेशी टीम को दिन में तारे दिखा दिए। पहले दिन का खेल खत्म होने तक चेन्नई के स्कोर बोर्ड पर भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 339 रन टांग दिए हैं। रविंद्र जडेजा 86 और शतकवीर रविचंद्रन अश्विन 102 रन बनाकर नाबाद हैं।

शुरुआती झटकों से भारतीय बल्लेबाजों ने किया निराश

इससे पहले भारतीय बल्लेबाजों ने काफी निराश किया क्योंकि पिच या गेंदबाजों से ऐसी चुनौती नहीं मिल रही थी कि जिसका सामना नहीं किया जा सके। मेजबान बल्लेबाज अपनी ही एकाग्रता भंग होने के कारण विकेट गंवाते गए। जायसवाल और ऋषभ पंत (39) ने चौथे विकेट के लिए 99 गेंद में 62 रन जोड़े। पहले सत्र में प्रभावी दिख रहे पंत ने महमूद की गेंद पर विकेटकीपर लिटन दास को कैच थमाया। 2022 के कार हादसे के बाद यह उनका पहला टेस्ट था जिसमें वह 83 मिनट तक क्रीज पर रहे। जायसवाल ने 95 गेंद में अपना अर्धशतक मेहदी हसन मिराज की गेंद पर एक रन लेकर पूरा किया।

केएल राहुल का बल्ला भी दे गया धोखा

उन्होंने हालांकि इसके बाद अपनी एकाग्रता खोई और नाहिद राणा की गेंद पर पहली स्लिप में शादमैन इस्लाम को कैच दे बैठे। केएल राहुल 16 रन बनाकर आफ स्पिनर मिराज का शिकार हुए। भारत के छह विकेट 144 रन पर गिर चुके थे। दूसरा सत्र भी पहले ही सत्र की तरह रहा जिसमें बांग्लादेशी गेंदबाज हावी रहे। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और पूरा फोकस एक्सप्रेस गेंदबाज नाहिद राणा पर था लेकिन भारतीय पारी को झटके महमूद ने दिए। रोहित शर्मा (छह) को एक के स्कोर पर डीआरएस से जीवनदान मिला था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। वह दूसरी स्लिप में नजमुल हसन शंटो को कैच देकर लौटे।

विकेटों के पतझड़ के बाद आई अश्विन-जडेजा की सुनामी

शुभमन गिल (0) खाता भी नहीं खोल सके और आठ गेंद खेलने के बाद विकेटकीपर लिटन दास को कैच दे बैठे। विराट कोहली (6) का मैदान में उतरने पर तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत हुआ लेकिन वह भी टिक नहीं सके। महमूद ने आफ स्टम्प से बाहर गेंद डाली जिस पर बल्ला अड़ाने का खामियाजा विराट ने भुगता और विकेट के पीछे लिटन ने कैच लपक लिया। भारत ने पहले तीन ओवर में ही एम ए चिदंबरम स्टेडियम की पिच पर तीन विकेट 34 रन के भीतर गंवा दिए। इसके बाद जायसवाल और केएल राहुल से ऊपर भेजे गए पंत ने पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि, बात नहीं बनी।

रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा ने तोड़ा सचिन-जहीन का रिकॉर्ड

144 रनों पर छठा विकेट गिरने के बाद रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने मोर्चा संभाला। इन दोनों ने विध्वंसक अंदाज में न केवल रन रेट ठीक किया, बल्कि विपक्षी टीम के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इन दोनों ने 7वें विकेट के लिए स्टंप्स तक 227 गेंदों में 195 रनों की साझेदारी करते हुए भारत की पारी संभाल ली है। यह टेस्ट मैचों में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की ओर से सातवें विकेट या इससे नीचे की सबसे बड़ी साझेदारी है। जडेजा-अश्विन ने 2004 में ढाका में सचिन तेंदुलकर और जहीर खान के बीच 10 वें विकेट के लिए बनाई गई 133 रन की साझेदारी को पीछे छोड़ दिया है।

संक्षिप्त खेल की खबरें

चेन्नई टेस्ट के पहले दिन ही बवाल

लिटन दास से भिड़ गए ऋषभ पंत

नईदिल्ली,19 सितम्बर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है. टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब हुआ। हालांकि यशस्वी जयसवाल ने मोर्चा संभाले रखा. टीम इंडिया के लिए ऋषभ पंत ने 39 रनों की पारी खेली। पंत ने 52 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके भी लगाए। पंत की इस पारी के दौरान बवाल होते-होते बच गया। वे लिटन दास से भिड़ गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया है। दरअसल भारत की पारी के दौरान ऋषभ पंत नंबर पांच पर बैटिंग करने आए. उन्होंने 52 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए। पंत ने 6 चौके लगाए। भारत की पारी के 16वें ओवर में पंत बैटिंग कर रहे थे। इस दौरान वे तीसरी गेंद पर सिंगल लेना चाहते थे लेकिन दूसरे छोर पर खड़े यशस्वी ने मना कर दिया। इसी बीच गेंद गली के फील्डर ने थ्रो की और वह पंत के पैड पर जा लगी इससे पंत नाराज दिखे। इस पर पंत ने लिटन दास से कहा,उसको फेंक ना भाई,मुझे क्यों मार रहे हो। पंत इस पर नाराज दिखे हालांकि यह मामला संभल भी गया।

बांग्लादेश को अब अंडरडॉग टीम नहीं कह सकते: अश्विन

चेन्नई,19 सितम्बर 2024। बांग्लादेश की टीम रावलपिंडी में पाकिस्तान पर 2-0 की शानदार जीत के बाद भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मैदान पर है। इस पर सीनियर भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा किअब कोई भी इन्हें अंडरडॉग नहीं कह सकता।

साउथ अफ्रीका की हार के साथ ही अफगानिस्तान ने रचा इतिहास तो टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ अनोखा रिकॉर्ड

काबुल,19 सितम्बर 2024। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का साल 2024 में शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। अफगानिस्तान ने इसी साल टी 20 वर्ल्ड कप 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। इस टूर्नामेंट में अफगान टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर क्रिकेट जगत में सनसनी मचाई थी। अब एक बार फिर अफगान टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए इतिहास रच दिया है। दरअसल, शारजाह में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में अफगान टीम ने मजबूत साउथ अफ्रीकी टीम को हराते हुए नया कीर्तिमान बना दिया। पहले गेंदबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने शानदार गेंदबाजी के दम पर साउथ अफ्रीका को महज 106 रनों पर ढेर कर दिया। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 107 रनों का लक्ष्य 4 विकेट खोकर 26 ओवर में हासिल कर लिया।

अफगान फिरकी ने दिखाया दम

अफगानिस्तान की इस ऐतिहासिक जीत में फजहलक फारुकी और अल्लाह गजनफर ने अहम भूमिका अदा की। ओमारजई ने 7 ओवर में 35 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए जबकि 18 साल के गजनफर ने अपने तीसरे ही वनडे मैच में 3 विकेट लेने का बड़ा कारनामा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अजमातुल्लाह ओमारजई और गुलबदीन नईब ने कमाल का खेल दिखाया और टीम को जीत दिलाकर वापस लौटे। ओमारजई ने नाबाद 25 और गुलबदीन ने नाबाद 34 रनों की पारी खेली।

अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने 10 ओवर के भीतर ही साउथ अफ्रीका के 7 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाने का काम किया। इस तरह साउथ अफ्रीका वनडे की एक पारी के पहले 10 ओवरों में सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली टीम बन गई। इससे पहले अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में साल 2016 में पहले 10 ओवरों में 7 विकेट खोए थे।

वनडे में एक पारी में पहले 10 ओवरों में सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली टीमें

7 - अफगानिस्तान बनाम जिम्बाब्वे, शारजाह, 2016
7 - साउथ अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान, शारजाह, 2024

अफगान टीम ने बनाया कीर्तिमान

साउथ अफ्रीका को हराने के साथ ही अफगान टीम के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। दरअसल, अफगानिस्तान की टीम पहली बार साउथ अफ्रीका को इंटरनेशनल क्रिकेट में मात देने में कामयाब रही है। इससे पहले अफगानिस्तान इंग्लैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया को हराने का बड़ा कारनामा कर चुकी है। साउथ अफ्रीका को मात देने के साथ ही अफगानिस्तान ने भारत को छोड़कर व्हाईट बॉल क्रिकेट में सभी फुल मेंबर नेशन्स टीम को हराने का कमाल कर दिया है। टीम इंडिया को अब तक किसी भी फॉर्मेट में अफगानिस्तान की टीम हरा नहीं पाई है। द्वष्टष्ट के 12 फुल मेंबर नेशन्स में भारत, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड,न्यूजीलैंड,वेस्टइंडीज,जिम्बाब्वे,पाकिस्तान,श्रीलंका, आयरलैंड,अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीम शामिल हैं।

यशस्वी जायसवाल ने खेली अर्धशतकीय पारी,बना डाले कई रिकॉर्ड्स

चेन्नई,19 सितम्बर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन युवा सनसनी यशस्वी जायसवाल ने शानदार अर्धशतकीय पारी (56) खेली।यशस्वी को छोड़ भारतीय शीर्ष क्रम में और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। उनके अलावा ऋषभ पंत ने 39 रन की पारी खेली।यशस्वी ने इस दौरान कई रिकॉर्ड्स भी बनाए।

यशस्वी ने 118 गेंदों का सामना किया और 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 9 चौके निकले।एक समय भारत के 3 बल्लेबाज सिर्फ 34 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से यशस्वी ने पंत के साथ 99 गेंद में 62 रन की साझेदारी निभाई। पंत के आउट होने के बाद उन्होंने केएल राहुल के साथ 48 रन जोड़े।ऐसा लग रहा था कि यशस्वी एक बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन नाहिद राणा ने उन्हें आउट कर पवेलियन भेज दिया।पहले 10 टेस्ट में सबसे ज्यादा 50+ का स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में यशस्वी अब संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।यशस्वी ने 8 बार यह किया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर स्वदेश लौटी पुरुष हॉकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2024। भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम का 2024 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद गुरुवार तड़के स्वदेश लौटने पर यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने मंगलवार को मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी हासिल की। 2024 पेरिस ओलंपिक में उनकी सफलता के ठीक एक महीने बाद, जिसमें उन्होंने अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक हासिल किया, टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और चीन पर 3-0 से जीत के साथ जोरदार अंदाज में नॉकआउट चरण में अपनी जगह दर्ज की, जापान पर 5-1 से जीत, मलेशिया पर 8-1 से जीत, कोरिया पर 3-1 से जीत और प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 2-1 से जीत के साथ

अपने पूल में शीर्ष पर रही।सेमीफाइनल में कोरिया पर 4-1 की जीत के बाद भारत का फाइनल में चीन से मुकाबला होना तय हो गया था, जिसे टूर्नामेंट का सबसे कठिन मैच भी कहा जा सकता है।

चौथे क्वार्टर के अंत में जुगराज सिंह के एकमात्र गोल ने भारत को मेजबान टीम के संघर्षपूर्ण प्रयास पर काबू पाने और जीत हासिल करने में मदद की।

पूर्व श्रीलंकाई खिलाड़ी दुलिप समरवीरा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से 20 साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2024। श्रीलंका के पूर्व पुरुष क्रिकेटर दुलिप समरवीरा को एक ईमानदारी जांच के बाद 20 साल के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में किसी भी पद पर रहने से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जहां उन्हें आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन करते पाया गया।1993 से 1995 तक श्रीलंका के लिए सात टेस्ट और पांच वनडे खेलने वाले समरवीरा पर एक महिला खिलाड़ी से संबंधित कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगने के बाद जांच चल रही थी। वह शुरू में 2008 में क्रिकेट विक्टोरिया में विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच के रूप में शामिल हुए थे, इससे पहले पिछले साल नवंबर में उन्हें महिला टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

आचरण आयोग ने पाया कि समरवीरा ने

अनुचित व्यवहार किया जो सीए की आचार संहिता की धारा 2.23 का उल्लंघन करता है। अनुचित आचरण के आरोप तब लगे जब समरवीरा क्रिकेट विक्टोरिया (सीवी) में कार्यरत थे। सीए इंटीग्रिटी विभाग इंटीग्रिटी कोड और नीतियों के तहत उसके पास लाई गई शिकायतों की जांच करता है जो राज्य और क्षेत्रीय संघों पर भी लागू होती हैं। आचरण आयोग सीए इंटीग्रिटी द्वारा उसे भेजे गए मामलों की सुनवाई करता है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को एक बयान में कहा, सीए और सीवी सभी खिलाड़ियों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों का कल्याण सर्वोपरि है। हम अनुचित व्यवहार की रिपोर्टिंग को दृढ़ता से प्रोत्साहित करते हैं, जिसे सीधे सीए इंटीग्रिटी यूनिट या कोर इंटीग्रिटी हॉटलाइन के माध्यम से किया जा सकता है।

यौन उत्पीड़न मामले में कोरियोग्राफर जानी मास्टर गिरफ्तार

मशहूर कोरियोग्राफर शेख जानी बाशा उर्फ जानी मास्टर की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। स्त्री 2, जेलर, पुष्पा 1 और वरिसु जैसी फिल्मों के गानों को कोरियोग्राफ कर चुके जानी मास्टर को यौन उत्पीड़न मामले में बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया गया है। 21 वर्षीय एक लड़की ने कोरियोग्राफर पर आरोप लगाया था कि जानी ने उसके साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया था और वह पिछले कुछ महीनों से उसका यौन शोषण कर रहा था। लड़की ने हैदराबाद क साइबराबाद रायदुर्गम पुलिस ने आरोपों पर कार्रवाई करते हुए कोरियोग्राफर के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की थी।

स्त्री 2 के गाने आज की रात के कोरियोग्राफर जानी मास्टर पुलिस ने उनके खिलाफ यौन अपराध से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की धाराओं के आधार पर केस दर्ज किया, जिसके बाद उन्हें गोवा से नहीं बल्कि बेंगलुरु से गिरफ्तारी किया गया है। साथ ही पॉक्सो एक्ट गैर जामनती दंड दिया जाएगा। (यदि किसी व्यक्ति पर नाबालिग बच्चे के साथ यौन शोषण जैसे अपराध करने के तहत मुकदमा दर्ज किया जाता है तो उसे किसी भी प्रकार से जमानत नहीं दी जाती है।) 16 सितंबर को 21 साल की लड़की की शिकायत के बाद पुलिस ने जानी के खिलाफ यौन शोषण का केस दर्ज किया था।

यौन उत्पीड़न मामले में फंसे कोरियोग्राफर जानी

रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में जानी मास्टर के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार), 506 (आपराधिक धमकी) और 323 (चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जानी पर आरोप था कि उसने 6 साल तक आउटडोर शूटिंग के दौरान और अपने घर पर अलग-अगल शहरों में कई बार महिला का यौन शोषण किया है। इतना ही नहीं यह मामला सबसे पहले तेलंगाना की महिला सुरक्षा शाखा की महानिदेशक शिखा गोयल के सामने उठाया गया, जिन्होंने पीड़िता को पुलिस में मामला दर्ज कराने की सलाह दी।

मशहूर कोरियोग्राफर जानी मास्टर

आपको बता दें कि जानी मास्टर तेलुगु फिल्मों के फेमस कोरियोग्राफर हैं। उन्होंने कन्नड़ सिनेमा में भी कई शानदार गानों को कोरियोग्राफ किया है। जानी मास्टर ने अल्लू अर्जुन, थलपति विजय और सलमान खान जैसे स्टार्स के गाने कोरियोग्राफ किए हैं। बॉलीवुड में उन्होंने जय हो फिल्म का फोटोकॉपी, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया टाइटल ट्रैक, लाल पीली अंखियां और स्त्री 2 से आज की रात और आई नई को कोरियोग्राफ किया है।

अनुष्का शर्मा को था अपनी खूबसूरती पर घमंड

आदित्य चोपड़ा ने दिखाया आईना, करण जौहर ने की थी करियर चौपट की कोशिश

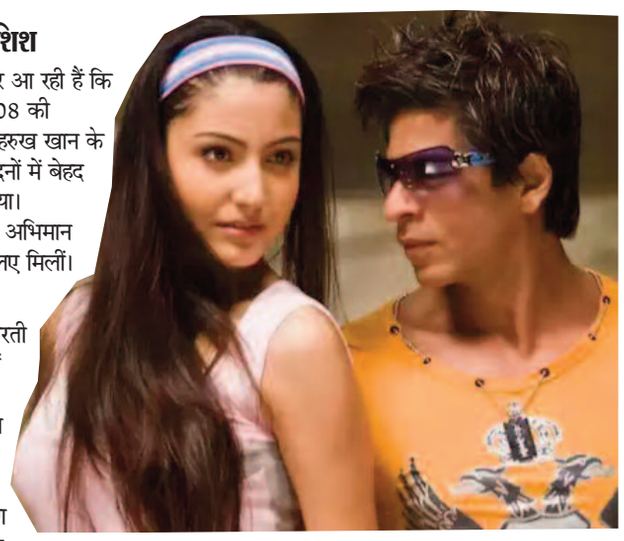

अनुष्का शर्मा का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो कुबूल करती नजर आ रही हैं कि एक्ट्रेस बनने से पहले काफी घमंडी थीं। अनुष्का ने 20 साल की उम्र में आदित्य चोपड़ा की साल 2008 की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में एंट्री मारी, जिसमें उन्हें पहली बार में ही शाहरुख खान के ऑपोजिट काम करने का मौका मिला। एक्ट्रेस ने उस इंटरव्यू में बताया कि वो स्कूल और कॉलेज के दिनों में बेहद नकचढ़ी थीं और एक्टर बनने से पहले खूबसूरती का काफी घमंड था, जिसे आदित्य चोपड़ा ने तोड़ दिया।

अनुष्का ने बातचीत में कहा था कि उन्हें ये लगता था कि वो सबसे सुंदर लड़की हैं। खुद पर उनका ये अभिमान तब टूटकर चकनाचूर हो गया जब वो आदित्य चोपड़ा से उनकी डेब्यू फिल्म रब ने बना दी जोड़ी के लिए मिलीं।

मैं स्कूल में ज़्यादा लोगों से बात नहीं करती थी...

अनुष्का ने कहा, एक्ट्रेस बनने से पहले मैं बहुत घमंडी थी। मैं स्कूल में ज़्यादा लोगों से बात नहीं करती थी और न घुलती-मिलती। मैं सच में बहुत घमंडी थी। मेरी मां कहती हैं कि वह बहुत खुश हैं कि मैं एक्ट्रेस बनी। क्योंकि जब मैं एक्ट्रेस बनी तो आदित्य चोपड़ा ने मुझे सच्चाई का एहसास कराया।

कोयल पुरी को दिए अपने इंटरव्यू में अनुष्का ने कहा,इस मुलाकात में आदित्य चोपड़ा ने मुझसे कहा कि तुम ये फिल्म कर रही हो, लेकिन तुम सबसे गुड लुकिंग लड़की नहीं हो। तब तक मैं समझती थी कि मैं सबसे गुड लुकिंग गर्ल हूं। मेरे दिमाग में यही था कि मैं सबसे गुड लुकिंग गर्ल हूं।

हालांकि आदित्य चोपड़ा को अनुष्का शर्मा पर पूरा भरोसा था, लेकिन उनके सबसे अच्छे दोस्त करण जौहर उनके लुक्स को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं थे। बताया जाता है कि करण जौहर ने तो उनके करियर को शुरू होने से पहले ही खत्म करने की कोशिश की। साल 2016 के नामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में करण ने ये माना था कि उन्होंने आदित्य से अनुष्का को कास्ट न करने और इसके बजाय किसी दूसरी एक्ट्रेस को लेने की सलाह दी थी।

करण ने कहा- मुझे लगा तुम इसे साइन कर रहे हो, तुम पागल हो...

उन्होंने कहा था, मैं अनुष्का शर्मा के करियर को पूरी तरह से खत्म करना चाहता था। क्योंकि जब आदित्य चोपड़ा ने मुझे उनकी फोटो दिखाई तो मैंने सोचा,नहीं,नहीं,पागल हो क्या,तुम इसे साइन कर रहे हो, तुम पागल हो! तुम्हें इस अनुष्का शर्मा को साइन करने की कोई ज़रूरत नहीं है। उस समय एक और लीड एक्ट्रेस थी और मैं चाहता था कि आदित्य उन्हें साइन करे। मैं पूरी तरह से पर्दे के पीछे था और उसे पूरी तरह से खत्म करना चाह रहा था। मैं बहुत बेमन से रब ने बना दी जोड़ी देख रहा था। फाइनली ये फिल्म ब्लॉकबस्टर बन गई।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

शोएब ढेबर पर लगा अशांति फैलाने का आरोप,पुलिस ने भेजा जेल

रायपुर,19 सितम्बर 2024(ए)। प्रार्थी अब्दुल मोबिन पिता अब्दुल असलम उम्र 24 वर्ष. सा. अशोका हाईट्स मकान नं. 102 मोवा थाना पंडरी जिला रायपुर के द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 18.09.24 को रात्रि 10:15 बजे तेलीबांधा के व्ही.आई.पी रोड स्थित होटल शीतल इंटरनेशनल होटल में अपने दोस्त के साथ खाना खाने गया था कि होटल के गेट में एक बी.एम. डब्ल्यू कार खड़ी थी, जिसे हटाने हार्न देने पर शोएब ढेबर अपने साथी अनस और अतीक मेमन के साथ कार से उतरकर मी बहन की गाली गलौज कर मारपीट कर चोट पहुंचाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियान के विरूद्ध धारा सदर का एफआईआर पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में जमानत मुचलका पर छुटने के बाद पुनः घटना स्थल जाकर कौन-कौन मेरे विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराया है। कहकर गाली गलौज विवाद करने लगा, जिसकी सूचना थाने में मिलने पर अनावेदक को समझाने का प्रयास किया गया। किन्तु अनावेदक पुलिस की बात नही मानकर हो हल्ला करने लगा। और पुलिस के समक्ष गवाहों को धमकाते हुए वाद-विवाद करने लगा, जिससे अप्रिय घटना घटित होने की भावना को देखते हुए अनावेदक के विरूद्ध पुलिस द्वारा धारा 170, 125 135 (1) बीएनएसएस की कार्यवाही करते हुए एस.डी.एम. न्याया में पेश किया गया।

मेडिकल वेस्ट के नष्टीकरण में लापरवाही बरतने वाले हॉस्पिटलों पर हुई कार्रवाई

रायपुर,19 सितम्बर 2024(ए)। पर्यावरण विभाग ने जगदलपुर स्थित महारानी अस्पताल पर सबसे अधिक 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. वहीं कांकेर जिले के न्यू लाइफ हॉस्पिटल पर 32 हजार 400, नारायणपुर के शांति हॉस्पिटल पर 6 हजार, नेताम हॉस्पिटल एंड इन्फर्टिलिटी सेंटर पर 33 हजार 600 का जुर्माना लगाया गया. इसके अलावा कुम्हरावण्ड, तितिर गांव और नगरनार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 37 हजार 200 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और युवा कार्यकर्ता के बीच हुई मारपीट

डोंगरगढ़,19 सितम्बर 2024(ए)। डोंगरगढ़ ब्लॉक कांग्रेस की आंतरिक कलह खुलकर सामने आई है, जहां वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस के दो गुटों के बीच मंच पर ही मारपीट हो गई,जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विजयराज सिंह और युवा कांग्रेस के नेता संदीप सिंह गहरवार एक-दूसरे से मारपीट करते दिख रहे हैं। मामला डोंगरगढ़ में गणेश झांकी विसर्जन के दौरान का है। डोंगरगढ़ के गोल बाजार में गणेश विसर्जन का कार्यक्रम चल रहा था, इस दौरान झांकियों को पुरस्कार देने के लिए कांग्रेस की ओर से मंच बनाया गया था। बताया जा रहा है कि मंच पर लगे बैनर में फोटो नहीं छापने से नाराज जिले के बड़े कांग्रेसी नेता नवाज़ ख़ान के करीबी माने जाने वाले युवा कांग्रेस नेता संदीप सिंह व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय राज चौहान आपस में उलझ गए।

पैजामा में लगी आग,पुतला दहन के दौरान कांग्रेस नेता घायल

पेण्ड्रा-मरवाही,19 सितम्बर 2024 (ए)। लोकसभा नेता राहुल गांधी के खिलाफ अमर्यादित बयान पर भड़के कांग्रेसियों के पुतला दहन के दौरान बड़ा हादसा हो गया. पुतला दहन के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष उत्तम वासुदेव झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल जाया गया है कि रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के राहुल गांधी को आतंकवादी कहने और शिवसेना के विधायक संजय गायकवॉड के राहुल गांधी का जीभ काटने पर 11 लाख का इनाम की घोषणा के विरोध में कांग्रेस ने पुतला दहना का कार्यक्रम आयोजित किया गया था. पेण्ड्रा के दुर्गा चौक में कांग्रेस ने पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया था। पुलिस की चौक-चौबंद व्यवस्था थी।कांग्रेस ने तयशुदा कार्यक्रम के तहत पुतला दहन करते हुए पोस्टर डाला, जिसे पुलिस को हटाने से रोकने के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष दौड़े और जलते हुए पुतले की चपेट में आ गए। जिन्हें पुलिस ने पुतला बुझाने के लिए लाए गए पानी से बुझाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अब कवर्धा एसपी पर गिर सकती है गाज

एक युवती को महिला सिपाहियों से पिटवाने का वीडियो हो रहा है वायरल...

» आरोपी युवक की मौत के बाद गांव में उपजा है तनाव...

रायपुर,19 सितम्बर 2024(ए)। कवर्धा जिले में उपजा बवाल ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा है। यहां पुलिस द्वारा गिरफ्तार एक युवक की जेल में मौत के बाद आनन-फानन में एएसपी विकास कुमार को निलंबित कर दिया गया। आरोप है कि विकास कुमार लोहारडीह में हुए अग्निकांड में कार्रवाई कर रही टीम को लीड कर रहे थे और इसी दौरान थाने में की गई पिटाई से युवक की मौत हुई है। इस बीच आज एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है है, जिसमें कुछ महिला जवान एक युवती को पुलिस के डग्गा में डालने से पहले डंडे से पीट रही हैं और एसपी अभिषेक पल्लव उन्हें और मारने को कह रहे हैं। इसके बाद अब पल्लव के ऊपर भी कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

सोशल मीडिया पर चर्चित हैं आईपीएस पल्लव

कवर्धा एसपी अभिषेक पल्लव जब दुर्ग में एसपी थे तब उनके प्रेस कांफ्रेंस में बाकायदा आरोपियों का लाइव ट्रायल होता था। मीडिया के समक्ष आरोपियों को पेश करते हुए एसपी पल्लव उनसे वारदात के तरीके और गतिविधियों के बारे में पूछताछ करते और बड़े मजे लेते थे। उनका इस तरह का वीडियो पुलिस के सोशल मीडिया में खूब वायरल होता और लाखों व्यूज मिलते। तब से उनकी ख्याति राष्ट्रीय स्तर पर होने लगी। हालांकि एक स्टिंग ऑपरेशन के जरिये जब उन्हें तत्कालीन सरकार को लेकर कुछ टिप्पणी करते रिकॉर्ड कर लिया गया तब भी वे काफी चर्चा में रहे और उसके बाद उनकी बोलती बंद हो गई।

कवर्धा में एक युवक की पेड़ पर फांसी पर लाश लटकी हुई मिलने के बाद ग्रामीणों ने संदेही के परिवार के साथ मारपीट के बाद उन्हें मकान में बंद कर आग लगा दी थी। इस घटना में परिवार के मुखिया की मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस के सैकड़ों जवानो ने पहुंचकर गांव वालों को शांत कराया और घटना में शामिल लोगों की गिरफ़्तारी शुरू की। इस दौरान कई महिला-पुरुषों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि वायरल हो रहा वीडियो उसी वक्त का है। तब यहां मौजूद एसपीअभिषेक पल्लव हिरासत में ली जा रही युवती को मारने को कह रहे हैं और महिला जवान उस पर ताबड़तोड़ डंडे चला रही हैं।

जख्म बता रहे कितनी हुई है पिटाई : भूपेश बघेल

मौत की इस घटना के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ग्राम लोहरी डीह पहुंचे और पीड़ित परिवार तथा अन्य ग्रामीणों से मुलाकात की। जिसके बाद उन्होंने मीडिया के समक्ष कहा कि प्रशांत के शरीर पर मौजूद जख्म बता रहे हैं कि उसकी कितनी पिटाई हुई है। बघेल ने कहा कि जितने भी ग्रामीण पुरुष महिलाओं को पकड़ा गया है, सभी को बुरी तरह पीटा गया है। उनके मुताबिक जेल में बंद अधिकांश लोगों की हालत ख़राब है। भूपेश बघेल ने कहा कि हम भी चाहते हैं कि अपराधी पकड़े जाएं, मगर उनकी जानवरों से भी बदतर तरीके से पिटाई की जा रही है, यह गलत है। उन्होंने स्क्क अभिषेक पल्लव की भी आलोचना की और कहा कि वे तो रील बनाने में मास्टर हैं।

भाई ने कहा- मेरे सामने हुई पिटाई

प्रशांत साहू की मौत के बाद जेल में बंद उसकी मां सरस्वती और भाई कन्हैया साहू को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जेल से बाहर लाया गया है। कन्हैया का कहना है कि जिस दिन आगजनी की घटना हुई, उस दिन ना तो मेरा भाई प्रशांत साहू मौजूद था, ना ही मैं। उसके बावजूद पुलिस ने हमें गिरफ्तार किया। परमेश ने बताया कि थाने में पकड़ कर लाये गए सभी लोगों की बर्बरता से पिटाई हुई है। उसके सामने ही प्रशांत को बेदर्दी से पीटा गया और मौके पर एसपी भी मौजूद थे।

इस पिटाई से प्रशांत साहू गंभीर रुप से घायल हुआ था और इलाज नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई, उल्टे पुलिस उसे बीमार बता रही है, जबकि उसे कोई बीमारी नहीं थी। वहीं मृतक की मां ने बताया कि उसे आज सुबह बेटे की मौत की सूचना दी गई और गांव लाया गया। मां सरस्वती ने बताया कि उसकी भी पिटाई की गई है। उसे ही नहीं, जो भी महिला पुरुष पकड़े गए सभी लोगों को पीटा गया है।

मृतक के भाई और मां ने बताया कि प्रशांत साहू की पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है और उसका इकलौता 8 साल का बेटा है, जिसके सर से मां के बाद अब पिता का साया भी छिन गया है। उन्होंने मुआवजे के रूप में एक करोड़ रूपये और एक आश्रित को सरकारी नौकरी की मांग की है। इस मुद्दे पर साहू समाज ने भी धरना दे दिया है।

वाह विकास बाबू...बड़े जलवे है... जांच अधिकारी भी अपनी जेब में...

संदेह के दायरे में शिक्षा विभाग के ट्रांसफर-पोस्टिंग घोटाले की जांच

» शिक्षा विभाग का यह खेल तो बड़ा है साहब...क्योंकि सरकार चाहे किसी की हो पैसे की जरूरत तो सबको है...!

» ज्वाइंट डायरेक्टरों के साथ कई अधिकारियों एवं बाबुओं को भी किया गया था सस्पेंड...!

-आदित्य गुप्ता-

बिलासपुर,19 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। विधानसभा चुनाव के ठीक पहले शिक्षा विभाग में ट्रांसफर-पोस्टिंग घोटाला हुआ था। प्रदेश के लगभग हर जिले और संभाग में लाखो रुपए लेकर इस घोटाले को अंजाम दिया गया था। मामला खुला तो कई अधिकारी और बाबू निलंबित हुए, फिर सत्ता बदलते ही सब धीरे धीरे बहाल हो गए। बहाल करने वाले कोई और नहीं बल्कि वही लोग थे जो लोग इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया था। अभी कुछ लोगों की बहाली होनी है। इसके लिए कुछ विधायकों ने भी अपनी ओर से अनुसंशा कर चुके है। अब उन्हें बहाल करने के लिए रास्ता निकालने में लगे हुए है। जांच कमेटी का अचानक सक्रिय होना उसी का एक हिस्सा है। गुरुवार को अतिरिक्त संचालक स्ष्श्चत्रञ्ज जे पी रथ अपनी टीम के साथ आए थे। बिलासपुर के ज्वाइन डायरेक्टर कार्यालय में दो दिनों तक शिक्षकों से बयान लिए गए। बयान क्या ? सभी को एक प्रिंटेड फार्म उपलब्ध करा दिया गया। जिसमे 16 बिंदुओ पर शिक्षकों से जानकारी मांगी गई थी। शिक्षकों से यह भी कहा गया था की क्या उसने ट्रांसफर मनचाही जगह पर पोस्टिंग कराने के लिए रिश्वत दी ? अब इस सवाल से ही समझ में आ जाता है कि शिक्षा विभाग जांच कर रहा है मजाक कर रहा है ? जांच का मजाक यहीं पर खत्म नहीं होता विडंबना तो ये है की शिक्षको से वो फार्म कलेक्ट करने के लिए वही बाबू विकास तिवारी बैठा था जिस पर पैसा लेकर संशोधित आदेश जारी करने का आरोप है। इससे यह तो स्पष्ट है की विकास बाबू का जलवा शिक्षा विभाग अभी भी बरकार है। जो वो चाहेंगे वही होगा। यही नहीं एक कोने में बैठे जांच अधिकारी की बखत भी वहां उपस्थित शिक्षक समझ रहे थे। कुल मिलाकर होना जाना कुछ नही है। जल्दी ही विकास बाबू भी बहाल होने वाले है और वापस लौटकर बिलासपुर में अपनी दुकान सजाने वाले है। सरकार किसी की भी रहे पैसे की जरूरत तो सभी को है।

आपको बता दे शासन के आदेश पर जून 2023 में पोस्टिंग के लिए शिक्षा विभाग के सभी संयुक्त संचालकों ने सभी जिलों के डीईओ से रिक्त पदों की जानकारी मंगाई। जिसके बाद शहर के साथ ही जिला व ब्लॉक मुख्यालय के आसपास के स्कूलों में रिक्त पदों को छिपा दिया गया। इसके बाद दिखावे के लिए काउंसिलिंग किया गया। फिर कुछ ही दिन में छिपाए गए पदों पर संशोधन के नाम पर लेनदेन कर पोस्टिंग आदेश जारी किया गया। यह खेल पूरे प्रदेश में खेला गया और हजारों संशोधित आदेश जारी कर शिक्षकों को मनचाही पोस्टिंग दी गई। इसके बाद पूरे प्रदेश में बवाल मच गया क्योंकि एक एक शिक्षक से संशोधन आदेश के बदले दो से तीन लाख रुपए लिए गए थे। इसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग हरकत में आया और इसकी संभागायुक्तों से जांच कराई। प्रदेश के पांचों संभागों के कमिश्नर ने अपनी जांच रिपोर्ट में बताया कि ट्रांसफर में पैसे की बड़ी लेनदेन हुई है। कमिश्नरों की रिपोर्ट मिलने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने चार ज्वाइंट डायरेक्टरों को सस्पेंड कर दिया था। इसमें रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और बस्तर के जेडी शामिल थे। इसके अलावा लगभग दर्जनभर अन्य अधिकारियों और बाबुओं को भी सस्पेंड कर दिया गया था। मामले में जेडी आफिस के बाबुओं को भी सस्पेंड किया गया था।

जंतर-मंतर पर नक्सल पीड़ितों की दिल्ली पर गूंज

» सुनो नक्सली हमारी बात...

» नक्सलवाद के खिलाफ की सख्त एक्शन की मांग...

रायपुर,19 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले में नक्सालियों के आतंक के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रेरणा और समर्थन से गुरुवार को बस्तर क्षेत्र के नक्सल पीड़ितों ने दिल्ली के जंतर- मंतर पर केंजा नक्सली-मनवा माटा (सुनो नक्सली हमारी बात) आंदोलन किया। मुख्यमंत्री साय ने नक्सल पीड़ितों की पीड़ा को समझते हुए उन्हें अपनी आवाज़ दिल्ली तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया और इस महत्वपूर्ण कदम के लिए उनका हौसला बढ़ाया।

उल्लेखनीय है कि, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर क्षेत्र में माओवादी हिंसा से प्रभावित ग्रामीणों से कई बार संवाद किया और उनके दुख-दर्द को नजदीक से समझा। उन्होंने महसूस किया कि, इन पीड़ितों की समस्याओं को केवल राज्य तक सीमित नहीं रखा जा सकता और इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद ही नक्सल पीड़ितों ने जंतर- मंतर पर अपने अधिकारों और शांति की मांग को सबके सामने रखने का साहसिक फैसला लिया।

पीड़ितों ने नक्सलवाद के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग

जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान, ग्रामीणों ने माओवादी हिंसा के कारण झेले गए शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कष्टों को व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कैसे नक्सलियों की हिंसा ने उनके जीवन को प्रभावित किया और उनके गांवों में विकास की प्रक्रिया को बाधित कर दिया। ग्रामीणों ने सरकार से नक्सलवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और अपने क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा की अपील की।

हड़ताल में बैठे नगरीय निकाय के कर्मचारी

रायपुर,19 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय के कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना समेत 6 सूत्रीय मांग को लेकर तीन दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। इसके चलते निकायों में कामकाज ठप हो गया है। इन कर्मचारियों की मांग है कि नगरीय निकायों के कर्मचारियों को प्रतिमाह 1 तारीख को वेतन भुगतान ट्रेजरी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए।कर्मचारियों की ये भी मांग है कि नगरीय निकायों में ठेका पद्धति समाप्त करते हुए प्लेसमेंट कर्मचारियों को नगरीय निकाय के माध्यम से वेतन भुगतान किया जाए। 10 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले निकाय के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का नियमितिकरण किया जाए। नगरीय निकायों में अन्य विभाग की भाति पुरानी पेंशन योजना शीघ्र ही लागू किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग एवं वित्त विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश निर्देश जिस तिथि से जारी हो उस तिथि से आदेश निर्देश सभी नगरीय निकायों में पूर्णतः लागू किया जाए.नगरीय निकायों में मृतक कर्मचारी के परिवारों को शीघ्र ही संभाग स्तर में रिक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किया जाए. नगरीय निकायों में कार्यरत नियमित कर्मचारियों को 12 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर चैनल निर्धारित करते हुए संभाग स्तर में रिक्त पद पर पदोन्नति की कार्यवाही शीघ्र की जाए। नगरीय निकायों के कर्मचारियों को 6 वें व 7वें वेतनमान की एरियर्स की राशि का भुगतान के लिए शीघ्र ही आदेश निकाला जाए। इन मांगों को लेकर निकाय के कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं।

सरपंच ने किया एक परिवार को बेदखल

बीबी बच्चों सहित पहुंचा कलेक्टर कार्यालय

बिलासपुर,19 सितम्बर 2024(ए)। भूमिहीन और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए भूमि और मकान का अधिकार उनके जीवनयापन का आधार होता है। सरकारी योजनाओं और नीतियों के तहत उन्हें यह अधिकार दिया जाता है ताकि वे समाज में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। लेकिन अगर इन्हीं अधिकारों का उल्लंघन होता है, तो उनकी स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। ऐसा ही एक मामला ग्राम लोहर्सी, में सामने आया है, जहाँ एक गरीब भूमिहीन परिवार की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लेने का आरोप लगाया जा रहा है।ग्राम लोहर्सी के निवासी आवेदक अमर नाथ यादव ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरपंच द्वारा उनके परिवार को आवंटित भूमि से अवैध रूप से बेदखल कर दिया गया है। यह भूमि खसरा नं. 1685/5 पर स्थित थी, जिसका क्षेत्रफल 15म25 फीट था और यह उनके पिता, कन्हैया लाल यादव, को भूमिहीन होने के कारण आवंटित की गई थी। परिवार पिछले 40-45 वर्षों से इस भूमि पर निवास कर रहा था। इस दौरान, राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 में मुख्यमंत्री आबादी पट्टा भी आवेदक के नाम पर जारी किया गया।हालांकि, हाल ही में सरपंच द्वारा बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के इस परिवार को बेदखल कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट के फैसले को लागू करने की मांग

डीएड संघ ने निकाली न्याय यात्रा

बिलासपुर,19 सितम्बर 2024(ए)। शिक्षक भर्ती में सहायक शिक्षक के पद पर बीएड अभ्यर्थियों को नियुक्त किया गया। सहायक शिक्षक भर्ती में नियमों को ताक पर रखकर भी बीएड अभ्यर्थियों को रखने पर डीएड अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जहां बीएड अभ्यर्थियों को हटा कर डीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति करने आदेश जारी किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के आदेश को सही मना। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर अभ्यर्थियों ने न्याय यात्रा निकाली।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)